लखनऊ

गुरुवार, 14 मई, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 259

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जिस दिन पढ़ाई बोझ नहीं, सपना लगने लगे उस दिन सफलता आपके कदम चूमने लगेगी।"

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
42°	26°
Hi	Low

संक्षेप

हिजबुल मुजाहिदीन का नार्को आतंकवादी 'शेरा' गिरफ्तार, पांच साल पहले पुर्तगाल में छिपे आतंकी का प्रत्यर्पण

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लगातार कूटनीतिक और कानूनी प्रयासों के बाद पुर्तगाल से वांछित नार्को-आतंकवादी इकबाल सिंह उर्फ 'शेरा' का सफल प्रत्यर्पण करवाकर उसे गिरफ्तार कर लिया है। 'शेरा' हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) का आतंकी है। वित्तपोषण के एक बड़े मामले में मुख्य साजिशकर्ता के तौर पर शेरा की गिरफ्तारी हुई है। पुर्तगाल से भारत पहुंचते ही एनआईए की एक टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। वह 2020 में पुर्तगाल भाग गया था। उसका सफल प्रत्यर्पण और गिरफ्तारी पाकिस्तान समर्थित नार्को और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ एनआईए की लड़ाई में एक बड़ी सफलता है। गिरफ्तार भगोड़े आतंकी के खिलाफ अक्टूबर 2020 में आरसी-23/2020/एनआईए/ डीएलआई (एचएम नार्को-टेरर मॉड्यूल) मामले में गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया था। जून 2021 से ही उसकी गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल नोटिस भी जारी था। इस मामले की जांच में एनआईए ने शेरा को भारत स्थित नार्को-टेरर मॉड्यूल का प्रमुख साजिशकर्ता और संचालक पाया, जो पाकिस्तान से हेरोइन की तस्करी में शामिल था। पंजाब के अमृतसर का रहने वाला शेरा पाकिस्तान से सीमावर्ती राज्य में नशीले पदार्थों की तस्करी की साजिश का मास्टरमाइंड था। उसने तस्करी किए गए नशीले पदार्थों की तस्करी और वितरण का समन्वय और निगरानी की और हवाला नेटवर्क के माध्यम से प्राप्त धनराशि को पाकिस्तान और कश्मीर स्थित एचएम के गुर्गों तक पहुंचाया, ताकि आतंकी गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके।

कूनो से आई बुरी खबर, एक झटके में उजड़ गया मादा चीता का कुनबा; 4 शावकों के खाए हुए मिले शव

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक बार फिर बेहद बुरी और दुखी करने वाली खबर सामने आई है। यहां पार्क के जंगल में जन्मी मादा चीता ्यत्रक्क12 के चारों शावकों की दर्दनाक मौत हो गई है। मंगलवार, 12 मई 2026 की सुबह जब वन विभाग की मॉनिटरिंग टीम श्योपुर टेरिटोरियल डिवीजन में गश्त पर थी, तब उन्हें डेन साइट (मांद) के पास इन चारों शावकों के शव मिले। इस बड़ी घटना के बाद से कूनो प्रबंधन और वन्यजीव विभाग में भारी हड़कंप मचा हुआ है। कूनो प्रबंधन द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, मारे गए इन चारों शावकों का जन्म 11 अप्रैल 2026 को ही हुआ था और वे अभी महज एक महीने के ही थे। दिल दहला देने वाली बात यह है कि मौके पर मिले शावकों के शव आंशिक रूप से खाए हुए पाए गए हैं। वन विभाग की मॉनिटरिंग टीम ने इन नन्हे शावकों को 11 मई की शाम को ही अंतिम बार अपनी मां के साथ जीवित और सुरक्षित देखा था, लेकिन एक ही रात में इस मादा चीता का पूरा कुनबा खत्म हो गया।

मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव का निधन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की बुधवार तड़के मौत हो गई। वह विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास के किचन में सुबह चार बजे अचेत पड़े थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हृदय गति रुकने और फेफड़े में खून का थक्का जमने से मौत की पुष्टि हुई है। इस संबंध में परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है।

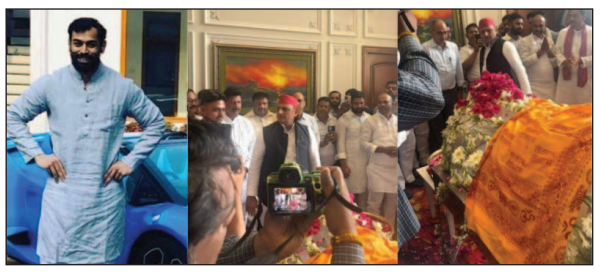

प्रतीक की मौत की खबर सुनकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रतीक बहुत अच्छा लड़का था। व्यवसाय में ध्यान देता था। अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखता था। आखिरी बार हमारी मुलाकात दो माह पहले हुई थी। तब भी मैने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की बात कही थी। वह बिजनेस में कुछ बड़ा करना चाहता था। अक्सर लोग बिजनेस में नुकसान होने पर दुखी हो जाते हैं।

वह हमारे बीच नहीं है.। यह बहुत दुखद है। अखिलेश ने कहा कि इस मामले में जो कानून कहता है, जो परिवार कहता है हम लोग उसी आधार पर आगे बढ़ेंगे। पुलिस के मुताबिक सुबह चार बजे प्रतीक के नौकर ने सिविल अस्पताल में फोन किया था। सिविल अस्पताल से डॉक्टरों की टीम प्रतीक के घर गई थी। घर पर प्रतीक के शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रतीक को सिविल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घर पर मौजूद नहीं थी अपर्णा, दिल्ली से पहुंची लखनऊ

प्रतीक महिला आयोग की उपाध्यक्ष व भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति थे। प्रतीक की तबीयत बिगड़ने के समय अपर्णा घर में मौजूद नहीं थीं। अपर्णा दिल्ली गई थीं। पति की मौत की खबर सुनकर वह दोपहर दो बजे अमौसी एयरपोर्ट पहुंचीं। इसके बाद सीधे घर रवाना हो गईं। अपर्णा के लखनऊ पहुंचने पर पोस्टमार्टम हाउस से प्रतीक का शव लेकर परिजन आवास पहुंचे। प्रतीक के घर के बाहर बड़ी संख्या में भाजपा और सपा के नेता और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपर्णा के पहुंचकर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों को ढ़ांढस बढ़ाया। हृदय गति रुकने की वजह से जान गंवाने वाले प्रतीक यादव को हायपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) के साथ ही खून का थक्का बनने की भी समस्या थी। मेदांता अस्पताल में इसका इलाज चल रहा था। 29 अप्रैल को सांस लेने में समस्या होने पर प्रतीक यादव अंतिम बार मेदांता अस्पताल पहुंचे थे। मेदांता अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक और इंटरनल मेडिसिन विभाग की डॉ. रुचिता शर्मा ने बताया कि 29 अप्रैल को जांच में थक्का बनने के साथ ही दिल संबंधी समस्या की पुष्टि भी हुई थी। खून का थक्का बनने की समस्या को डीप वेन थ्रोम्बोसिस कहा जाता है। यह एक गंभीर स्थिति है। यह थक्का टूटकर फेफड़ों तक पहुंच जाए तो जानलेवा साबित हो सकती है। उधर प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी फेफड़े से खून का थक्का दिल में जाकर फंसने की वजह से मौत होने की बात सामने आई है। हालांकि विस्तृत जांच के लिए विसरा और दिल सुरक्षित रखा गया है।

शरीर पर थे चोट के छह निशान

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में प्रतीक यादव के शरीर पर चोट के कुल छह निशान मिले। ये चोट के निशान करीब सात से दस दिन पुराने बताए जा रहे हैं। इनमें से कोई भी चोट गंभीर नहीं थी। डॉक्टरों का मानना था कि ये चोट हृदय गति रुकने की वजह नहीं हो सकते हैं।

प्रतीक यादव की मृत्यु पर योगी समेत कई नेताओं ने जताया शोक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के संरक्षक के बेटे एवं राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के निधन पर शोक जताया है। योगी और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना दोपहर में अपर्णा यादव के घर भी पहुंचे और प्रतीक यादव के पार्थिव शरीर को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने अपर्णा, उनकी बेटियों व अन्य परिजनों को ढांढस भी बंधाया। इसके अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त मंत्री पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी अपर्णा के घर जाकर संवेदना व्यक्त की। सीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के पुत्र एवं राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का आकस्मिक निधन दु:खद है। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और कई मंत्रियों ने भी प्रतीक यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में कांग्रेस परिवार पूरी संवेदना के साथ शोकाकुल परिवार के साथ है।

'हिंदू धर्म जीवन शैली है', सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आस्था साबित करने के लिए मंदिर जाना जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हिंदू धर्म को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि हिंदू धर्म केवल पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का तरीका है। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति के हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना या कोई विशेष धार्मिक कर्मकांड करना अनिवार्य नहीं है। यहां तक कि यदि कोई व्यक्ति अपने घर या झोपड़ी में दीपक जलाता है, तो वही उसकी आस्था और धर्म को साबित करने के लिए पर्याप्त है।

यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने की। पीठ धार्मिक स्वतंत्रता, महिलाओं के धार्मिक स्थलों में प्रवेश और विभिन्न समुदायों की धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों पर सुनवाई कर रही है। इनमें सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, एम एम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं।

सुनवाई के 15वें दिया क्या मांग उठी?

सुनवाई के 15वें दिन जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. जी मोहन गोपाल ने अदालत के समक्ष कहा कि धार्मिक समुदायों के भीतर से सामाजिक न्याय की मांग उठ रही है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म को पहले एक धार्मिक श्रेणी के रूप में परिभाषित किया गया था और बाद में 1966 में एक फैसले में कहा गया कि हिंदू वह है, जो धर्म और दर्शन से जुड़े सभी मामलों में वेदों को सर्वोच्च मानता है।

हिंदू धर्म को लेकर कोर्ट ने क्या टिप्पणी की?

डॉ. गोपाल ने अदालत से कहा कि उन्होंने हमसे कभी नहीं पूछा। हममें से किसी ने भी ऐसा नहीं कहा। मुझे वेदों के प्रति सर्वोच्च सम्मान और गहरी श्रद्धा है, लेकिन क्या आज हर वह व्यक्ति जिसे हिंदू माना जाता है, वास्तव में वेदों को धर्म और दर्शन में सर्वोच्च मानता है? इस पर न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इसीलिए हिंदू धर्म को जीवन जीने का तरीका कहा जाता है। किसी हिंदू के लिए मंदिर जाना या कोई अनुष्ठान करना अनिवार्य नहीं है, ताकि वह हिंदू बना रहे। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति को कर्मकांडों का पालन करना जरूरी नहीं है और किसी की आस्था के रास्ते में कोई बाधा नहीं डाल सकता। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने भी इस दौरान अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति अपनी झोपड़ी के भीतर दीपक जलाता है, तो वही उसके धर्म को साबित करने के लिए पर्याप्त है।

कोर्ट ने धार्मिक प्रथा और परंपरा को लेकर क्या कहा?

सुनवाई के दौरान अदालत ने धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन को लेकर भी चर्चा की। शीर्ष अदालत ने इससे पहले भी कहा था कि यदि हर धार्मिक प्रथा और परंपरा को संवैधानिक अदालत में चुनौती दी जाने लगे, तो सैकड़ों याचिकाएं दायर होंगी और हर धर्म प्रभावित होगा।

फैक्टरी में आग लगने से दो की मौत के बाद सीएम ने उठाया बड़ा कदम, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तिलजला, तोपसिया और आसपास के इलाकों में चल रही अवैध फैक्टरियों की बिजली और पानी की आपूर्ति काट दी जाए। यह आदेश उस घटना के बाद दिया गया है, जिसमें एक फैक्टरी में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि तिलजला की वह फैक्टरी अवैध रूप से चल रही थी, जहां आग लगी थी और इसके मालिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। तिलजला में मंगलवार की दोपहर खान जीजे खान रोड स्थित पांच मंजिला इमारत की दूसरी मंजिपर पर चमड़े की फैक्टरी के स्टोर रूम में आग लग गई थी। घटना दोपहर करीब पौने दो बजे की है। तपसिया थाना क्षेत्र में आग लगने की इस घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई थी।

पीएम मोदी ने पेश की मिसाल, अपने काफिले का आकार घटाया, संसाधन बचत का दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर सादगी, प्रशासनिक दक्षता और संसाधनों के संतुलित उपयोग का संदेश दिया है। जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी ने अपने हालिया घरेलू दौरों के दौरान काफिले में शामिल वाहनों की संख्या कम कर दी है। खास बात यह रही कि इस बदलाव में सुरक्षा मानकों से किसी तरह का समझौता नहीं किया गया। सूत्रों के मुताबिक, वडोदरा और गुवाहाटी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री के काफिले में पहले की तुलना में कम वाहन शामिल किए गए। हालांकि, स्क्कत्र के सभी जरूरी सुरक्षा प्रोटोकॉल पूरी तरह लागू रहे। सुरक्षा से जुड़े आवश्यक वाहन यथावत रखे गए, जबकि गैरजरूरी गाड़ियों की संख्या सीमित कर दी गई।

खुद उदाहरण पेश कर दिया बड़ा संदेश

यह फैसला हैदराबाद में प्रधानमंत्री के संबोधन के तुरंत बाद सामने आया। इसे प्रशासनिक दक्षता, ट्रैफिक प्रबंधन और आम लोगों की सुविधा से जोड़कर देखा जा रहा है। अक्सर ङ्कङ्कढ्ढक्क मूवमेंट के दौरान लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है, जिससे लोगों को परेशानी होती है। ऐसे में पीएम मोदी ने खुद काफिला छोटा कर ईंधन बचत और सादगी का संदेश देने की कोशिश की है।

सरकारी खर्च और संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर

प्रधानमंत्री के इस कदम की राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। यूपी और एमपी समेत कई राज्यों में मुख्यमंत्री और मंत्रियों को भी काफिले का आकार सीमित रखने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इससे सरकारी संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल और अनावश्यक खर्च में कमी लाने का संदेश जाएगा।

हैदराबाद भाषण में की थी बचत की अपील

हाल ही में हैदराबाद में दिए गए संबोधन में पीएम मोदी ने लोगों से विदेशी मुद्रा और ईंधन बचाने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि लोग अगले एक साल तक सोना खरीदने से बचें। साथ ही, कोरोना काल की तरह वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं को अपनाने पर भी जोर दिया था।

केरल सीएम की रेस में वेणुगोपाल का नाम, वायनाड में राहुल-प्रियंका को चेतावनी- ये अगला अमेठी बनेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के उभरने की अटकलों के बीच वायनाड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को निशाना बनाते हुए पोस्टर लगाए गए हैं। वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के पास लगाए गए इन पोस्टरों में चेतावनी दी गई है कि अगर कांग्रेस हाई कमांड वेणुगोपाल का समर्थन करती है तो वायनाड अगला अमेठी बन जाएगा।

कुछ संदेशों में राहुल और प्रियंका को सीधे तौर पर निशाना बनाया गया था, जिनमें कहा गया था कि केरल उनके मूर्खतापूर्ण फैसलों को माफ नहीं करेगा। पोस्टरों में गांधी भाई-बहनों को वायनाड को भूल जाने की चेतावनी भी दी गई थी, और दावा किया गया था कि वे इस निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा नहीं जीतेंगे। पोस्टरों में वेणुगोपाल की भी आलोचना की गई थी, उन्हें राहुल का सिर्फ एक सहायक बताया गया था, और यह भी कहा गया था कि अगर पार्टी नेतृत्व उनका समर्थन करता है तो विरोध प्रदर्शन और तेज हो जाएंगे। ये संदेश पार्टी के कुछ वर्गों में बढ़ती बेचैनी को दर्शाते हैं, क्योंकि पार्टी उच्च कमान की राष्ट्रीय राजधानी में परामर्श बैठकें जारी हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने विधानसभा की 140 सीटों में से 102 सीटें जीतकर एक दशक बाद ऐतिहासिक वापसी की और वाम लोकतांत्रिक मोर्चे को मात्र 35 सीटों तक सीमित कर दिया। हालांकि, यह जीत जल्द ही आंतरिक कलह में तब्दील हो गई, क्योंकि प्रमुख नेताओं के समर्थकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी तेज कर दी। केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए तीन प्रमुख नामों की चर्चा सबसे आगे है: वी.डी. सतीशान, के.सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला। यह स्थिति कांग्रेस के सत्ता संघर्ष के सभी विशिष्ट तत्व समेटे हुए है – संगठनात्मक शक्ति बनाम विधायी नेतृत्व, पीढ़ीगत बदलाव बनाम अनुभव और दिल्ली का प्रभाव बनाम राज्य इकाई की प्राथमिकता।

'निजी बसों की किराया वृद्धि में मनमानी और अवैध बुकिंग एप पर होगी कार्रवाई', बोले मंत्री सरनाईक

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अधिकारियों को निजी बस संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश मनमाने ढंग से किराए में वृद्धि करने और अनधिकृत यात्री बुकिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल करने की वजहों से हो रही है।

मंत्रालय में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रताप सरनाईक ने संयुक्त परिवहन आयुक्त और 'सुराज्य अभियान' (एक गैर-सरकारी संगठन) के तीन प्रतिनिधियों को मिलाकर एक विशेष समिति के गठन का एलान किया। यह समिति निजी बस सेवाओं और अवैध बुकिंग एप्स से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए दीर्घकालिक उपाय सुझाएगी।

मंत्री सरनाईक ने कहा कि समिति किराए में वृद्धि को नियंत्रित करने, अनधिकृत एप्स पर अंकुश लगाने और यात्री शिकायतों के लिए तंत्र को मजबूत करने पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। राज्य सरकार निजी यात्री परिवहन संचालकों द्वारा, विशेष रूप से त्योहारों और छुट्टियों के मौसम के दौरान, अवैध किराया वृद्धि की शिकायतों को लेकर गंभीर है। सरनाईक ने जोर देकर कहा, 'उन बस संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, जो यात्रियों का आर्थिक रूप से शोषण कर रहे हैं। यात्री शोषण किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' मंत्री के अनुसार, यह शिकायतें मिली हैं कि कई निजी यात्रा कंपनियां अनधिकृत मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से बुकिंग कर रही थीं।

'असम की सुरक्षा-विकास के लिए हम प्रतिबद्ध'

शपथ ग्रहण के बाद चुनावी वादों पर बोले सीएम हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य की सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में किए गए हर वादे को पूरी निष्ठा के साथ निभाया जाएगा।

लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपने पहले आधिकारिक कार्यक्रम में सरमा ने अपने चार कैबिनेट सहयोगियों के साथ असम के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बोरदोलोई के स्मारक का दौरा किया। वहां उन्होंने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सरमा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार ने औपचारिक कामकाज शुरू करने से पहले भारत रत्न गोपीनाथ बोरदोलोई का आशीर्वाद लिया है ताकि असम की प्रगति के लिए निरंतर काम किया जा सके। उन्होंने याद दिलाया कि बोरदोलोई ने आजादी से पहले और बाद में असम और असमिया लोगों की रक्षा के लिए कठिन परिश्रम किया था। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि असम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का उनका सपना जरूर पूरा होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक बुधवार दोपहर को होगी, जिससे कामकाज की औपचारिक शुरुआत होगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 16वीं असम विधानसभा का पहला सत्र 21 मई से तीन दिनों के लिए आयोजित होने की संभावना है। इस सत्र के दौरान नवनिर्वाचित विधायक पद की शपथ लेंगे। मंत्रिमंडल के विस्तार के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद की जाएगी। सरमा ने कहा कि सरकार एक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ काम करेगी। असम, वहां के लोगों और राष्ट्र की सुरक्षा और विकास ही सरकार का प्राथमिक लक्ष्य होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कोई नई सरकार नहीं है, बल्कि पिछली सरकार का ही विस्तार है और वे पूरे मन से काम जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होने के साथ ही भाषणों का समय भी समाप्त हो गया है और अब लोग उनसे काम की उम्मीद कर रहे हैं।

तमिलनाडु में विजय सरकार फ्लोर टेस्ट में पास : एआईएडीएमके के बागियों ने भी किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट पास कर लिया है। मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय के पक्ष में 144 विधायकों ने मतदान किया। 22 विधायकों ने विरोध में वोट किया जबकि वोटिंग के दौरान पांच विधायक अबसेंट रहे। कांग्रेस, वाम दलों और एआईएडीएमके के बागी गुटों ने थलपति का समर्थन किया। विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में वोट देने वालों में एआईएडीएमके के बागी सदस्य भी शामिल थे। वहीं, डीएमके ने विश्वासमत का बहिष्कार किया। विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान डीएमके ने सदन का वॉकआउट कर दिया।

एआईएडीएमके के बागी गुट ने किया TVK का समर्थन

टीवीके के अलावा एडीएमके को 59, एआईएडीएमके को 47 सीटें मिलीं। वहीं, कांग्रेस के खाते में 5 सीटें आईं। विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से ही एआईएडीएमके दो गुटों में बंटती नजर आ रही थी। विश्वास मत साबित करने से एक दिन पहले एआईएडीएमके के एक गुट ने TVK को समर्थन देने का ऐलान कर दिया था। एआईएडीएमके के बागी गुट ने टीवीके का समर्थन किया। एस पी वेलुमणि ने कहा कि हम मंत्रालय में किसी पद की मांग नहीं कर रहे हैं। वेलुमणि ने कहा कि जनता के बहुमत ने विजय को मुख्यमंत्री को चुना है इसलिए मेरा गुट उनके साथ है।

सरकार बनाने में इन दलों ने किया समर्थन

TVK-108 (प्रभावी संख्या 107)
कांग्रेस- 05
CPI-02
CPM-02
VCK-02
IUML-02

पत्नी शिक्षित है तो भी पति भरण-पोषण की जिम्मेदारी से नहीं बच सकता, हाईकोर्ट का अहम फैसला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवादों में भरण-पोषण के अधिकार को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पत्नी का उच्च शिक्षित होना या उसमें कमाने की क्षमता होने के आधार पर उसे भरण-पोषण से वंचित नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि पति का यह कर्तव्य है कि वह पत्नी को उसी सामाजिक और आर्थिक स्तर के अनुरूप जीवन प्रदान करे जैसा उसने वैवाहिक घर में अनुभव किया था। यह आदेश न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की अदालत ने आगरा निवासी कोमल की ओर से दायर पुनरीक्षण याचिका पर दिया है।

याची की शादी अगस्त 2014 को अहमदाबाद में सिख रीति-रिवाजों से हुई थी। शादी के कुछ ही समय बाद पत्नी को ससुराल से निकाल दिया गया। पत्नी ने 2015 में आगरा के पारिवारिक न्यायालय में भरण-पोषण के लिए आवेदन किया था जिस पर लगभग एक दशक बाद 12 जुलाई 2024 को फैसला आया। पारिवारिक न्यायालय ने पति को मार्च 2022 से पत्नी को 15 हजार रुपये प्रति माह देने का आदेश दिया था। याची ने भरण-पोषण राशि को बढ़ाने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

पति की ओर से दलील दी गई कि उसकी पत्नी के पास एमबीए की डिग्री है और वह पूर्व में बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम कर चुकी है। इसलिए वह अपना खर्च स्वयं उठाने में सक्षम है। पति ने अपनी स्वयं की आय को मात्र 15,000 से 20,000 रुपये प्रति माह बताया था।

पति के दावों में पाई गईं विसंगतियां

हालांकि, हाईकोर्ट ने पति के इन दावों में गंभीर विसंगतियां पाईं। रिकॉर्ड के अनुसार पति अहमदाबाद में जीईसी इंटरनेशनल स्टडी सेंटर नामक एक बड़ा व्यवसाय चलाता है और उसने कनाडा से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। अदालत ने पाया कि पति ने आयकर रिटर्न से संबंधित विरोधाभासी जानकारियां दीं और फर्म के टर्नओवर के विवरण छिपाने की कोशिश की। कोर्ट ने कहा कि केवल पत्नी की पिछली कमाई या उसकी योग्यता के आधार पर भरण-पोषण से इन्कार नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने माना कि 15,000 रुपये की राशि पति की आर्थिक स्थिति और वर्तमान जीवन स्तर के हिसाब से न्यायसंगत नहीं है। अंततः, अदालत ने पारिवारिक न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए मामले को पुनर्निर्धारण के लिए वापस भेज दिया है। पारिवारिक न्यायालय को निर्देश दिया गया है कि वह छह महीने के भीतर भरण-पोषण की नई और उचित राशि तय करे और तब तक पति को पिछले आदेश के अनुसार सभी बकाया राशि का भुगतान करना होगा।

सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान पर तीन महीने के भीतर निर्णय लें अधिकारी : हाईकोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले वित्तीय लाभों के भुगतान में हो रही देरी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तीन माह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकल पीठ ने झांसी की नगर पालिका परिषद से सेवानिवृत्त कर्मचारी अर्चना की याचिका पर दिया है।

याची ने अदालत से गुहार लगाई थी कि उसे ग्रेच्युटी, पेंशन, अवकाश नकदीकरण और जीपीएफ जैसे बकाया फंड का भुगतान 18 प्रतिशत ब्याज के साथ तत्काल प्रभाव से कराया जाए। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि पेंशन के बकाये के साथ-साथ वर्तमान मासिक पेंशन का भुगतान भी समय पर सुनिश्चित किया जाए।

सुनवाई के दौरान नगर पालिका परिषद, झांसी के वकील ने दलील दी कि यदि याची नगर पालिका परिषद, बरुआ सागर के अधिशासी अधिकारी के समक्ष एक नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करता है, तो प्रभावी निस्तारण किया जाएगा। इसपर कोर्ट ने याची को तीन सप्ताह के भीतर अपनी मांगों से संबंधित एक विस्तृत आवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही अधिकारी को कानून के दायरे में रहते हुए तीन महीने की अवधि के भीतर शिकायतों का निपटारा करने का निर्देश दिया।

आगरा कॉलेज भर्ती घोटाला : 66 नियुक्तियों में फंसे पांच पूर्व प्राचार्य, विजिलेंस जांच में खुली पोल, एफआईआर दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा कॉलेज में संविदा पर शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितताओं का मामला सामने आया है। चार साल की जांच के बाद विजिलेंस थाना आगरा सेक्टर में पांच पूर्व प्राचार्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की गई है। संविदा पर भर्ती करने के लिए आरोपी प्राचार्यों ने प्रबंध समिति की अनुमति नहीं ली। समिति के अध्यक्ष प्रशासनिक अधिकारी होते हैं। भर्तियों के संबंध में साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की गई है।

उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान के निरीक्षक सौदान सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराई। इसमें आगरा कॉलेज के पांच पूर्व प्राचार्यों को नामजद किया है। इनमें जयपुर हाउस निवासी डॉ. मनोज रावत, दयालबाग निवासी डॉ. अशोक विक्रम सिंह उर्फ एवी सिंह, माधव कुंज निवासी डॉ. उमेशचंद्र शर्मा, प्रोफेसर कालोनी निवासी नरेंद्र सिंह और न्यू आगरा कालोनी निवासी डॉ. अनिल कुमार शामिल हैं। विजिलेंस के मुताबिक, शासन ने वर्ष 2022 में आगरा कॉलेज के इंजीनियरिंग संकाय में हुई शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की नियुक्तियों के संबंध में खुली जांच के आदेश किए थे।

जांच में पाया गया कि पूर्व प्राचार्य डॉ. मनोज रावत ने अपने कार्यकाल में सबसे अधिक 54 भर्तियां कीं। उनके बाद डॉ. एवी सिंह ने 8, डॉ. यूसी शर्मा ने 2, नरेंद्र सिंह ने व संतोष कुमार ने एक-एक कर्मचारी को नियुक्त किया। संतोष कुमार की मृत्यु हो चुकी है। कुल 66 शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अनियमित रूप से संविदा पर रखा। इन भर्तियों के संबंध में कोई पत्रावली भी कॉलेज में उपलब्ध नहीं है।

आरोप है कि इन नियुक्तियों के लिए प्रबंध समिति से अनुमोदन नहीं लिया गया। जांच में यह भी सामने आया कि सात दिसंबर 2017 को हुई प्रबंधन समिति की बैठक में निर्देश दिए गए थे कि जिन कर्मचारियों के पास वैध नियुक्ति पत्र या अनुमोदन नहीं है, उन्हें कार्यमुक्त किया जाएगा। इसके बाद भी कुछ कर्मचारियों को सेवा विस्तार दिया गया। पांच लैब तकनीशियन बिना संविदा के रखे गए। एसपी विजिलेंस आलोक शर्मा ने बताया कि आगरा कॉलेज में हुई संविदा की नियुक्ति में अनियमितता की शिकायत पर जांच की गई। इसमें सामने आया कि 66 कर्मचारियों को बिना प्रबंध समिति के अनुमति के भर्ती किया गया। विजिलेंस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

तैनाती का यह है वर्ष

डॉ. अशोक विक्रम सिंह वर्ष 2003 से 2008 तक प्राचार्य रहे। उनके बाद डॉ. यूसी शर्मा प्राचार्य बन गए। वर्ष 2009 तक कार्यकाल संभाला। उनके बाद डॉ. मनोज रावत बन गए। उन्होंने वर्ष 2016 तक कार्यकाल संभाला। एक साल डॉ. नरेंद्र सिंह प्राचार्य पद पर रहे। वर्ष 2017-19 तक डॉ. एके गुप्ता रहे।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 48 घंटे में दो अज्ञात शव मिलने से सनसनी, पहचान में जुटी पुलिस

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर दो दिनों के भीतर दो अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी है और मृतकों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में दोनों की मौत तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर से होने की आशंका जताई जा रही है।

ताजा मामला अखंडनगर थाना क्षेत्र का है। मंगलवार रात कल्याणपुर गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के 171.900 किलोमीटर पर एक अज्ञात युवक का शव दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में मिला। शव पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए। सूचना मिलने पर बुधवार सुबह करीब आठ बजे यूपीडा की एम्बुलेंस सेवा द्वारा शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अखंडनगर पहुंचाया गया। डॉक्टर की सूचना पर उपनिरीक्षक हैदर अली मौके पर पहुंचे और आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक लाख का इनामी जुबैर मेरठ मुठभेड़ में ढेर, मुनीर गैंग का था सक्रिय सदस्य

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। एसटीएफ और लोहियानगर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी बदमाश जुबैर ढेर हो गया।

अलीपुर क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान जुबैर पुत्र रफतउल्ला निवासी नौशा थाना बरला जनपद अलीगढ़, हाल निवासी शाहीन बाग दिल्ली गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मुनीर गैंग का सक्रिय सदस्य था

मौके से एक बाइक, दो पिस्टल बरामद हुईं। एसटीएफ अफसरों के अनुसार जुबैर कुख्यात मुनीर गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ हत्या, लूट, डकैती समेत करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज थे। वह 24 दिसंबर 2025 को अलीगढ़ के सिविल लाइंस क्षेत्र में हुए राव दानिश हिलाल हत्याकांड में वांछित चल रहा था और उस पर अलीगढ़ पुलिस द्वारा एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

बस स्टेशन स्थित मंदिर जाने में भक्त जनों को है जान का जोखिम

सुल्तानपुर। बस स्टेशन परिसर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न हो गई है। कुछ दिन पूर्व एक अनियंत्रित बस ने परिसर की उत्तरी दीवार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दीवार क्षतिग्रस्त होकर टूट गई और लटक कर बिजली के खंबे के सहारे टिकी हुई है जो कभी भी भरभरा कर गिर सकती है। विदित हो कि यही मार्ग बस स्टेशन परिसर में स्थित हनुमान जी के मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए आने वाले भक्तों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। गौरतलब है कि इस स्थान पर हमेशा दर्जनों बसों का जमावड़ा लगा रहता है, जिसके बीच से होकर श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचना पड़ता है। ऐसे में मंदिर जाने वाला यह रास्ता खतरे से खाली नहीं है और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय समाजसेवियों और नागरिकों द्वारा लंबे समय से जिला प्रशासन से मांग की जाती रही है कि मंदिर की उत्तरी दीवार पर सुरक्षित प्रवेश द्वार (गेट) का निर्माण कराया जाए।

मऊ में बिजली के पोल से गिरने से संविदा लाइनमैन की मौत, आक्रोशित लोगों ने लगाया जाम

आर्यावर्त संवाददाता

सूरजपुर (मऊ)। घोसी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सभा टेसूपार निवासी 35 वर्षीय संदीप यादव, जो एक संविदा लाइनमैन कर्मी थे, मंगलवार को डेढ़ बजे विद्युत उप केन्द्र टेसूपार से लगभग 500 मीटर पूर्व विद्युत पोल पर चढ़कर तार टाइट करते समय पोल के टूट जाने से नीचे गिर गए। इस दुर्घटना में संदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए पीजी आई आजमगढ़ ले जाया गया, जहां बुधवार की प्रातः काल लगभग 4:00 बजे उनकी मृत्यु हो गई।

संदीप की मृत्यु की खबर सुनते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया। उनकी पत्नी निशा और दोनों बच्चे इस दुखद घटना से अत्यंत व्यथित हैं और रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। संदीप के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना के बाद, स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क जाम कर दिया। जाम के कारण यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने का प्रयास किया। संदीप यादव की मौत ने न केवल उनके परिवार को बल्कि पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है। गांव के लोग इस घटना को लेकर सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। उनका कहना है कि संविदा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर उचित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं, जिससे ऐसी घटनाएं घटित हो रही हैं। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने संविदा कर्मियों की सुरक्षा के लिए ठोस उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया है।

कार छोड़ने के बदले दरोगा ने ले लिए 6 हजार रुपये? महिला ने लगाए गंभीर आरोप, पुलिस जांच में जुटी

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना सिकंदरा के बाईंपुर निवासी महिला ने थाने पर तैनात दरोगा पर दुर्घटना में पकड़ी कार को छोड़ने के नाम पर 6 हजार रुपये की रिश्वत लेने और कार में रखी नकदी और सोने की अंगूठी चोरी के आरोप लगाए हैं। डीसीपी सिटी ने एसीपी हरीपर्वत अमीषा को जांच के आदेश दिए हैं।

बाईपुर निवासी रूपा यादव ने बताया कि उनके पति आकाश यादव 6 मई की सुबह कार से निकले थे। उनकी कार को बाईपुर के पास एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद दरोगा और सिपाहियों ने पति को पकड़ लिया और न्यायालय भेज दिया। इसके बाद जब पति कार मांगने थाने गए तो कार नहीं दी। पति ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर दी। 9 मई की दोपहर में दरोगा ने पति को बुलाया। पति को 5 घंटे तक बिठाकर रखा और 6 हजार रुपये लेने के बाद कार लौटाई। जब पति ने कार में रखे 16,500 रुपये ,मोबाइल और सोने की अंगूठी नहीं होने के बारे में पूछा तो दरोगा ने दोबारा जेल भेजने की धमकी देकर भगा दिया। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुशीनगर में ससुराल आए जीजा ने पहले साली फिर खुद को मारी गोली, दोनों की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

कुशीनगर। ससुराल आए जीजा ने प्रेम प्रसंग में बुधवार की सुबह साढ़े नौ बजे बजे साली की गोलीमार कर हत्या करने के बाद खुद भी अपने सिर में गोली मार लिया। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। घटना को बंद कमरे में अंजाम दिया।

गोली चलने की आवाज सुनने के बाद परिवार सहित मुहल्ले में अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची तमकुहीराज थाना पुलिस सहित अन्य अधिकारियों ने कमरे का लॉक तोड़ शव को कब्जे में लिया।

बसडिला बुर्जुग निवासी शंभू प्रजापति का 27 वर्षीय दामाद बिहार के गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना के ग्राम धर्मचक निवासी जितेंद्र प्रजापति मंगलवार को सांयकाल सात बजे ससुराल आया। उसका विवाह 11 माह पूर्व हुआ था। रात में भोजन करने के बाद सो गया। सुबह नाश्ते के बाद अपनी 18 वर्षीय साली नैना कुमारी को अपने कमरे में बुलाया। कुछ देर बाद आपस में बातचीत के बाद कमरा बंद कर लिया। कुछ देर बाद साली को गोलीमार कर हत्या कर दी और खुद अपने सिर में गोलीमार कर जान दे दिया।

ससुर शंभू प्रजापति ने बताया कि गोली चलाने की आवाज सुनकर मैं गया तो कमरा बंद मिला। आसपास के लोग भी मौकेपर पंहुच गए। कमरे की खिड़की अंदर का दृश्य देखने के बाद सनसनी फैल गई।

तमकुहीराज थाना प्रभारी गिरजेश उपाध्याय टीम के साथ पंहुचे। घटनास्थल एसडीएम तमकुहीराज आंकाक्षा मिश्रा भी पहुंची। कमरे के दरवाजे का लाक खोला गया। फोरेंसिक टीम भी बुलाई गई है। घटना का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। सीओ तमकुहीराज जयंत यादव ने बताया कि घटना के हर पहलू की जांच कर, कारवाई की जा रही है।

प्राचीन शिवशक्ति धाम का हो रहा भव्य पुनर्निर्माण, श्रद्धालुओं में उत्साह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहर के दरियापुर मोहल्ले स्थित प्राचीन शिवशक्ति धाम का पुनर्निर्माण इन दिनों तेजी से कराया जा रहा है। वरिष्ठ समाजसेवी जयदीप त्रिपाठी अपने सहयोगियों के साथ मंदिर को भव्य स्वरूप देने में जुटे हैं। मंदिर का सौंदर्यीकरण का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो उठा है।

मंदिर में मां दुर्गा, हनुमानजी एवं शिवलिंग की प्रतिमाएं भी मंगा ली गई हैं। उनकी स्थापना को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। मंदिर समिति द्वारा स्थापना कार्यक्रम को भव्य और श्रद्धामय बनाने की योजना बनाई गई है। यह प्राचीन मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और आमजन का भरपूर सहयोग मिल रहा है। पुनर्निर्माण कार्य में जय दीप त्रिपाठी के साथ रमेश गुप्ता एडवोकेट, रामकिशोर सुनील तिवारी, राजेंद्र उर्फ सिद्धू और अर्जुन गौतम धर्मेंद्र समेत कई लोग सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

विद्युत पोल से टकराई बाइक, पति की मौत, पत्नी गंभीर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। कूरेभार थाना क्षेत्र के फुलौना-हैदरगंज मार्ग पर बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के करिया बझना नेगईपुर गांव निवासी राम रुच (53) अपनी पत्नी पुष्पा (50) के साथ बाइक से हैदरगंज से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे ममरखा गांव के पास पहुंचे, उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राम रुच ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनकी पत्नी पुष्पा गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा देख आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही कूरेभार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कूरेभार भिजवाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर रेफर कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक राम रुच दिल्ली में रहकर मेहनत मजदूरी करते थे और परिवार का पालन-पोषण करते थे। कुछ दिन पहले ही वह गांव आए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में बाइक के अनियंत्रित होने को दुर्घटना की वजह माना जा रहा है।

आयकर विभाग का ऑडिटर बनकर रचाया रिश्ता, शादी से पहले ही 7 लाख से ज्यादा की ठगी

सुलतानपुर जिले में शादी के नाम पर बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। खुद को आयकर विभाग में ऑडिटर बताने वाले युवक ने पहले शादी तय की, फिर भरोसा जीतकर लड़की पक्ष से लाखों रुपये ऐंठ लिए। जब सच सामने आया तो परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। पुलिस ने पीड़ति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला कादीपुर कोतवाली क्षेत्र का है। यहां के निवासी अशोक कुमार ने अपनी बेटी का रिश्ता आजमगढ़ निवासी सत्येंद्र नामक युवक से तय किया था। आरोपी ने खुद को आयकर विभाग में ऑडिटर बताकर परिवार को प्रभावित किया। मार्च 2023 में सगाई की रस्म के दौरान लड़की पक्ष ने आरोपी को ढाई लाख रुपये नकद और करीब एक लाख रुपये का सामान दिया। आरोप है कि इसके बाद सत्येंद्र ने जमीन खरीदने की बात कहकर अलग-अलग किस्तों में करीब साढ़े तीन लाख रुपये और फिर 1 लाख 37 हजार 700 रुपये फोन-पे के जरिए अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। सगाई, सामान और अन्य खर्चों को मिलाकर परिवार से सात लाख रुपये से अधिक की रकम ले ली गई।

पीड़ति परिवार को बाद में पता चला कि सत्येंद्र आयकर विभाग में नौकरी ही नहीं करता। इतना ही नहीं, उसका किसी दूसरी महिला के साथ प्रेम प्रसंग भी चल रहा था। सच सामने आने पर जब लड़की पक्ष आरोपी के घर पहुंचा तो वहां कथित तौर पर अभद्रता की गई। परिवार का आरोप है कि थाने जाने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

विशेष प्रवर्तन अभियान में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 30 लीटर कच्ची शराब बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत बुधवार को जिला आबकारी विभाग एवं पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया। जिलाधिकारी सुल्तानपुर एवं उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक रणविजय सिंह (क्षेत्र-1) व नेहा श्रीवास्तव (क्षेत्र-5) ने मय स्टाफ एवं कोतवाली नगर पुलिस टीम के साथ ग्राम बल्लीपुर एवं चुनहा थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान 02 अभियोग पंजीकृत किए गए तथा करीब 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। साथ ही लगभग 1450 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर ही नष्ट कराया गया। अभियान में साकेत राय प्रधान आबकारी सिपाही, अंकित शर्मा आबकारी सिपाही, इरफान आबकारी सिपाही सहित पुलिस बल मौजूद रहा। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में संचालित आबकारी दुकानों का निरीक्षण कर स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया तथा गुप्त रूप से टेस्ट परचेज भी कराया गया। टीम द्वारा कबाड़ियों की दुकानों एवं ईंट भट्ठों की गहन जांच की गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को अवैध शराब के सेवन से होने वाली हानियों के प्रति जागरूक करते हुए अवैध शराब के कारोबार की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की।

सीएम योगी का बड़ा फैसला, 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच हो कार्यालय में एयर कंडीशनर का तापमान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आह्वान करते हुए शासन में मितव्ययिता, ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक आचरण की नई कार्यसंस्कृति विकसित करने का संदेश दिया है।

उन्होंने मंत्रीगणों से अपनी वाहन फ्लीट को 50 प्रतिशत तक कम करने का भी आह्वान किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले छह माह तक प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से परहेज करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सम्पन्न विस्तारित मंत्रिमंडल की पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, अनुशासित और संसाधन-संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेट्रोल और डीजल की खपत को न्यूनतम रखने संबंधी आह्वान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

बैठकें यथासंभव हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण सप्ताह में एक निर्धारित दिन मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, कारपूलिंग अथवा साइकिल जैसी सुविधाओं का उपयोग करें, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए और आमजन भी इससे प्रेरणा लें। उन्होंने शासन एवं प्रशासनिक कार्यों में डिजिटल और वर्चुअल माध्यमों के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए निर्देश दिए कि अंतरजनपदीय बैठकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विधानसभा एवं विधान परिषद की स्टैंडिंग कमेटियों की बैठकें यथासंभव हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने सचिवालय और निदेशालय स्तर पर एयरकंडीशनर एवं लिफ्ट के आवश्यकता-आधारित उपयोग के निर्देश देते हुए एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने तथा प्राकृतिक प्रकाश के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन, रेल यात्रा और कारपूलिंग को बढ़ावा देने के साथ 50 से अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में सप्ताह में कम से कम दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था अपनाने पर भी बल दिया।

ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन को शासन की प्राथमिकता बताते हुए मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग तथा जनजागरूकता अभियानों को रिहायशी कॉलोनियों, विद्यालयों और महाविद्यालयों तक विस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए नई नीति तैयार करने की आवश्यकता पर बल देते हुए स्वच्छ एवं ऊर्जा-कुशल परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देने की बात कही।

पीएनजी से जोड़ने की आवश्यकता बताई

मुख्यमंत्री ने सामाजिक आयोजनों में भी मितव्ययिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शादी-विवाह एवं अन्य समारोहों के लिए घरेलू स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि अनावश्यक व्यय पर रोक लगे और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिले।

'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को व्यवहार में उतारने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण उपहार स्वरूप उन्हीं वस्तुओं का उपयोग करें, जिनका निर्माण उत्तर प्रदेश में होता है। उन्होंने कहा कि 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्थानीय उत्पादों की समृद्ध श्रृंखला उपलब्ध है, जिन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने एलपीजी सिलेंडर के स्थान पर पीएनजी कनेक्शन को प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए आवश्यक नीतिगत बदलाव तत्काल किए जाएं। उन्होंने कॉमर्शियल एलपीजी उपयोगकर्ताओं को भी पीएनजी से जोड़ने की आवश्यकता बताई।

प्रतीक यादव के निधन पर अजय राय ने जताया गहरा शोक, कांग्रेस परिवार ने दुख की घड़ी में साथ खड़े रहने का दिया भरोसा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा देश के पूर्व रक्षामंत्री मुलायम सिंह यादव के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन के समाचार ने राजनीतिक और सामाजिक जगत को स्तब्ध कर दिया है। इस दुखद घटना पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की है।इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतीक यादव का असमय निधन अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परिवार की व्यक्तिगत क्षति नहीं है, बल्कि उन सभी लोगों के लिए गहरा आघात है जो परिवार से आत्मीय जुड़ाव रखते हैं। ऐसी परिस्थितियों में शब्द भी संवेदनाओं को व्यक्त करने में छोटे पड़ जाते हैं।अजय राय ने कहा कि परिवार पर आया यह दुःख अपूरणीय है और इस क्षति की भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति देने की कामना की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा कांग्रेस परिवार संवेदना के साथ यादव परिवार के साथ खड़ा है और हर परिस्थिति में उनके दुख को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

व्यापारियों की समस्याओं को सड़क से सदन तक उठाने का ऐलान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के व्यापार प्रकोष्ठ की पहली प्रादेशिक बैठक बुधवार को लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक का नेतृत्व नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने किया। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए व्यापारियों, छोटे कारोबारियों, फेरी-पटरी संचालकों और सर्राफा व्यापारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के उपरांत आयोजित पत्रकार वार्ता में व्यापारियों के मुद्दों को सड़क से सदन तक उठाने का ऐलान किया गया।मनोज मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में छोटे व्यापारी, ठेला-खोमचा संचालक, फेरी-पटरी व्यवसायी और मध्यम कारोबारी लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई, प्रशासनिक उत्पीड़न, स्थानीय दबंगों की दबंगई और शासकीय उपेक्षा के कारण व्यापारी वर्ग आर्थिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में व्यापारी भय के वातावरण में अपना कारोबार करने को विवश हैं।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के मार्गदर्शन में व्यापारियों की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से उठाया जाएगा। इसके लिए प्रदेशभर में संगठन को सशक्त किया जाएगा तथा प्रत्येक जनपद में व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।मनोज मिश्रा ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि यदि बड़े उद्योगपतियों के हजारों करोड़ रुपये के ऋण माफ किए जा सकते हैं तो छोटे व्यापारियों को भी राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पचास हजार रुपये से लेकर दस लाख रुपये तक का व्यापारिक ऋण लेने वाले छोटे व्यापारियों का कर्ज तत्काल माफ किया जाए, जिससे वे आर्थिक संकट से उबर सकें।सर्राफा कारोबार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यदि लोगों को खरीदारी से दूर रहने की सलाह दी जाएगी तो इसका सीधा असर व्यापारियों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सर्राफा व्यापारी बड़े निवेश, किराया, वेतन और ऋण भुगतान जैसी जिम्मेदारियों के साथ कारोबार करते हैं, ऐसे में इस क्षेत्र की अनदेखी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है।उन्होंने कहा कि व्यापारी समान रूप से कर का भुगतान करते हैं, लेकिन सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधा और शासकीय संरक्षण के मामले में उनके साथ भेदभाव होता है। व्यापारी वर्ग देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

प्रतीक यादव के निधन पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जताया गहरा शोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक बताते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं प्रकट की हैं।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने शोक संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के पुत्र तथा उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उन्होंने कहा कि यह क्षति परिवार और शुभचिंतकों के लिए गहरी पीड़ा का विषय है।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

गणेशगंज व्यापार मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन, नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ली शपथ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गणेशगंज व्यापार मंडल की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को लाटूश रोड स्थित व्यापार मंडल कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में व्यापारियों की एकजुटता, संगठन की मजबूती तथा व्यापारियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता अमरनाथ मिश्र की उपस्थिति में मुख्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल बजाज ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने किया।बैठक की शुरुआत गणेशगंज व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक मोतियानी को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित व्यापारियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने बताया कि स्वर्गीय अशोक मोतियानी के निधन के बाद अध्यक्ष पद रिक्त हो गया था, जिसके चलते आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया।इस अवसर पर अमरनाथ मिश्र ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवगठित कार्यकारिणी में संरक्षक पद पर सुनील सर्राफ, अध्यक्ष पद पर देवेन्द्र सिंह तथा कार्यवाहक अध्यक्ष पद पर सुशील गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई।उपाध्यक्ष पद पर मोहन आहूजा, मनोज केसरवानी, राजेश गुप्ता, निर्मल बदलानी, कृष्ण कुमार गुप्ता, शैलेंद्र मौर्य तथा मिथिलेश कुमार को जिम्मेदारी दी गई। वरिष्ठ महामंत्री पद पर बलराम मौर्य तथा महामंत्री पद पर प्रमोद गुप्ता, अनिल मिश्रा और अमित कुमार तिवारी को मनोनीत किया गया। कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अनूप कुमार गुप्ता को सौंपी गई, जबकि सह-कोषाध्यक्ष के रूप में करुणा शंकर पांडे को दायित्व मिला। वरिष्ठ मंत्री पद पर सिद्धार्थ मोतियानी तथा मंत्री पद पर सुरेश, संजय गुप्ता, कैलाश अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, परसराम खेतपाल, आलोक गुप्ता, नदीम, शैलेंद्र अग्रवाल, गोपाल दुबे और साहिल सिद्दीकी को शामिल किया गया। संगठन मंत्री पद पर विशाल बदलानी, राजू तथा लिटिल को दायित्व सौंपा गया।इस अवसर पर अमरनाथ मिश्र ने कहा कि स्वर्गीय अशोक मोतियानी ने जीवनभर व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष किया और उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाए रखना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करेंगे।वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि गणेशगंज व्यापार मंडल हमेशा व्यापारियों की आवाज बनकर कार्य करता रहा है।

अनियंत्रित डंपर ने कई वाहनों को मारी टक्कर, चार लोग घायल, चालक फरार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मड़ियांव क्षेत्र के चन्द्राढाल इलाके में बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए चिकित्सालय भेजा गया। घटना के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब सात बजकर दस मिनट पर सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि डंपर वाहन अनियंत्रित होकर कई वाहनों से टकरा गया, जिससे दुर्घटना हुई। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।दुर्घटना में निधि सिंह, अभय कुमार सिंह, आशु गौतम और पंकज घायल हुए। घायलों में पंकज को उनके परिजन अपने साथ लेकर चले गए, जबकि अन्य घायलों को तत्काल उपचार के लिए जानकीपुरम स्थित आघात चिकित्सा केंद्र तथा किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय भेजा गया। पुलिस द्वारा सभी घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।घायलों में गोमतीनगर निवासी 28 वर्षीय निधि सिंह, कुशीनगर जनपद निवासी 22 वर्षीय अभय कुमार सिंह तथा मड़ियांव क्षेत्र निवासी 26 वर्षीय आशु गौतम शामिल हैं। चौथे घायल पंकज का पूरा विवरण पुलिस द्वारा संकलित किया जा रहा है।पुलिस को घटनास्थल पर डंपर डिवाइडर पर चढ़ा हुआ मिला, जबकि चालक मौके से फरार था।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आगंतुक निगरानी प्रणाली की शुरुआत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आगंतुक निगरानी एवं प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार, गेट संख्या-01 पर इस नई व्यवस्था को स्थापित किया गया है, जिससे परिसर में आने-जाने वाले आगंतुकों की निगरानी और प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह नई व्यवस्था प्रारम्भिक रूप से एक माह की परीक्षण अवधि के लिए लागू की गई है। इस दौरान प्रणाली की कार्यक्षमता, उपयोगिता और सुरक्षा संबंधी प्रभावों का मूल्यांकन किया जाएगा। स्मार्ट प्रवेश अनुमति प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से परिसर में आने वाले आगंतुकों का विवरण अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संकलित किया जाएगा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि नई प्रणाली के लागू होने से परिसर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक आगंतुक की निगरानी व्यवस्थित रूप से की जा सकेगी। इससे न केवल सुरक्षा व्यवस्था में मजबूती आएगी, बल्कि अनधिकृत प्रवेश पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। आधुनिक तकनीक के उपयोग से आगंतुक प्रबंधन की प्रक्रिया अधिक सरल, सुरक्षित और पारदर्शी होगी।विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और आगंतुकों से अपील की है कि वे गेट संख्या-01 पर तैनात सुरक्षा कर्मियों का सहयोग करें, जिससे नई तकनीक आधारित व्यवस्था का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके। प्रशासन का मानना है कि यह पहल विश्वविद्यालय को डिजिटल और स्मार्ट परिसर की दिशा में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी तथा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं आधुनिक बनाने में सहायक होगी।

सीएम योगी के निर्देश, छह महीने तक विदेश यात्रा का परहेज करें मंत्री-अधिकारी; कार पूलिंग पर जोर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल विस्तार के बाद आयोजित पहली बैठक में मंत्रियों और अधिकारियों को आगामी छह माह तक अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेट्रोलियम पदार्थों की खपत कम करने के आह्वान का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने अपने वाहनों की संख्या आधी करने की बात कही। जनप्रतिनिधियों को मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, साझा वाहन व्यवस्था और साइकिल जैसे विकल्प अपनाने की सलाह दी गई।

वाहन चोरी का खुलासा, दो चोरी की स्कूटी बरामद, एक अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पश्चिमी क्षेत्र के कोतवाली दुबग्गा थाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए चोरी की दो स्कूटी बरामद की हैं। पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे और निशानदेही पर चोरी की दोनों स्कूटी बरामद कीं। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूरी कर अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।पुलिस के अनुसार कोतवाली दुबग्गा क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मछली मंडी मार्ग स्थित निर्माणाधीन थाना परिसर के पास से शब्बु आलम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी बुधवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे की गई।पुलिस पूछताछ में अभियुक्त के कब्जे से चोरी की एक स्कूटी बरामद हुई, जबकि उसकी निशानदेही पर दूसरी स्कूटी भी बरामद कर ली गई। दोनों वाहन कोतवाली दुबग्गा क्षेत्र से चोरी किए गए थे। बरामदगी के आधार पर मुकदमों में संबंधित धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आगे की वैधानिक कार्यवाही की गई हैपुलिस के मुताबिक 10 मई को अवध इन्क्लेव क्षेत्र निवासी शोएब मिर्जा ने अपनी चांदी रंग की स्कूटी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद 12 मई को मोहम्मद सरताज ने अपनी धूसर रंग की स्कूटी चोरी होने की सूचना पुलिस को दी थी। दोनों घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस लगातार निगरानी और जांच कर रही थी। गिरफ्तार अभियुक्त शब्बु आलम हरदोई जनपद के सण्डीला क्षेत्र का निवासी है।

लकड़ी की फंटी से युवक की बेरहमी से हत्या का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाजारखाला क्षेत्र में युवक की बेरहमी से हत्या किए जाने की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने खाने-पीने को लेकर हुए विवाद के बाद लकड़ी की फंटी से युवक की आंख और चेहरे पर लगातार प्रहार कर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने सीसीटीवी चित्रों और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार 12 मई को बाजारखाला थाना क्षेत्र के अग्रसेन पार्क, तिलक नगर में दो साथियों के बीच खाने-पीने की बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने लकड़ी की फंटी से युवक

पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद आरोपी हत्या में प्रयुक्त लकड़ी की फंटी को गुड्स रोड स्थित रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों में फेंककर फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। साथ ही घटनास्थल और आसपास लगे निगरानी यंत्रों के चित्रों की जांच की गई। जांच के दौरान देवेन्द्र कुमार उर्फ पिन्टू हरिजन की संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक विजय गौतम उसका मित्र था और दोनों अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे। घटना वाले दिन दोनों बड़ा मंगल के भंडारे में खाना खाने निकले थे। इस दौरान मृतक ने शराब की व्यवस्था की और दोनों ने साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद दोनों अग्रसेन पार्क पहुंचे, जहां किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोपी का कहना है कि मृतक ने पहले थप्पड़ मारा और लकड़ी से प्रहार किया, जिसके बाद वह आरा मशीन से लकड़ी की फंटी लेकर आया और गुस्से में मृतक पर हमला कर दिया।पुलिस के अनुसार आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लकड़ी की फंटी बरामद कर ली गई है। मामले में हत्या की संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच जारी है तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।गिरफ्तार आरोपी देवेन्द्र कुमार उर्फ पिन्टू हरिजन बाजारखाला क्षेत्र का निवासी बताया गया है।

प्रदेश में दो तरह के मौसम, बुंदेलखंड में लू जैसे हालात; इन जिलों में भीषण आंधी- बारिश; कई लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुधवार को मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिले। पश्चिमी और तराई क्षेत्रों में जहां आंधी और बारिश ने मौसम सुहाना किया, वहीं बुंदेलखंड समेत दक्षिणी जिलों में तेज धूप और भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल किया। बांदा 45.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया। झांसी, प्रयागराज और हमीरपुर समेत कई जिलों में भी भीषण तपिश और गर्मी का प्रकोप रहा। वहीं बरेली, मेरठ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बहराइच, अमेठी, कानपुर और राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में तेज हवाओं के साथ कहीं हल्की बारिश तो कहीं बूंदाबांदी हुई। इनमें से कई इलाकों में 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग के अनुसार बृहस्पतिवार से प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

मऊ और आसपास के क्षेत्रों को रेल सुविधाओं की सौगात, वाराणसी तक बढ़ेगी मेमू सेवा, नई रेलगाड़ी को मंजूरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि मऊ और आसपास के क्षेत्रों में रेल सुविधाओं के विस्तार तथा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय स्तर पर लगातार सकारात्मक पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ लगातार हुई वार्ताओं और विभिन्न पत्राचारों के परिणामस्वरूप क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं की सौगात मिलने जा रही है, जिससे पूर्वांचल के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।ए.के. शर्मा ने बताया कि वर्तमान में संचालित दोहरीघाट-औड़िहार मेमू रेल सेवा को अब वाराणसी तक विस्तारित करने पर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से मऊ, घोसी, दोहरीघाट और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को धार्मिक, शैक्षिक और व्यापारिक गतिविधियों के लिए बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। वाराणसी तक सीधा रेल संपर्क क्षेत्रीय विकास को नई गति देने में सहायक होगा और लोगों की यात्रा अधिक सुगम बनेगी।उन्होंने कहा कि रेलवे फाटकों पर जाम और दुर्घटनाओं की समस्या को कम करने के लिए विभिन्न स्थानों पर रेलवे अंडरपास निर्माण की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। इसके अंतर्गत बड़ागांव, गोठा और बहादुरपुर जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को शामिल किया गया है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से स्थानीय लोगों को सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सकेगी तथा यातायात व्यवस्था में सुधार होगा।ऊर्जा मंत्री ने यह भी बताया कि मऊ से दिल्ली और आनंद विहार के लिए बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे मंत्रालय ने छपरा से मऊ और आजमगढ़ होते हुए आनंद विहार तक नई रेलगाड़ी संचालन को मंजूरी प्रदान की है। इससे पूर्वांचल के लाखों यात्रियों को राजधानी दिल्ली तक बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही रोजगार, शिक्षा और व्यापार से जुड़े लोगों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।ए.के. शर्मा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार पूर्वांचल के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा रेल संपर्क को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी के रडार पर 13 क्रिकेटर, दो को भेजा गया नोटिस

इंडियन प्रीमियर लीग के बीच नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (एनएडीए) ने दो भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को नोटिस जारी किया है। उनके खिलाफ आरोप है कि ये दोनों ही खिलाड़ी पिछले साल निर्धारित डोप परीक्षण के लिए उपलब्ध नहीं थे। दोनों खिलाड़ी फिलहाल एनएडीए के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल का हिस्सा हैं। इन पर नियमित टेस्टिंग लागू होती है और इन्हें अपने ठिकाने की जानकारी देनी होती है, ताकि बिना किसी पूर्व सूचना के होने वाली टेस्टिंग के लिए इन्हें ढूंढा जा सके।

रिपोर्ट के अनुसार, डोप कंट्रोल ऑफिसर पिछले साल 17 दिसंबर को यशस्वी जायसवाल का टेस्ट करने पहुंचे थे, और पिछले साल 7 नवंबर को शेफाली वर्मा का टेस्ट करने पहुंचे थे। लेकिन, दोनों ही अपने बताए गए पते पर नहीं मिले।

इसके बाद एनएडीए ने इस साल 18 और 20 फरवरी को दोनों क्रिकेटरों से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा था, लेकिन किसी ने भी कोई जवाब नहीं दिया। इसके परिणामस्वरूप, एनएडीए ने आधिकारिक तौर पर दोनों खिलाड़ियों के लिए पहला मिस्ड टेस्ट दर्ज कर लिया है, इसी वजह से जायसवाल और शेफाली को वेयर अबाउट्स फेलियर (अपने ठिकाने की जानकारी न देने) के लिए नोटिस जारी किया गया।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दोनों क्रिकेटरों को स्पष्टीकरण देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों के मिस्ड टेस्ट से जुड़ी जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी के साथ भी साझा की गई है। यशस्वी फिलहाल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रही हैं, जबकि शेफाली उस भारतीय महिला टीम का हिस्सा थीं जिसने हाल ही में सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था।

अब, दोनों क्रिकेटरों को बेहद सावधान रहना होगा। एनएडीए के एंटी-डोपिंग नियमों (अनुच्छेद 2।4) के तहत, 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार वेयर अबाउट्स फेलियर (जानकारी न देना और/या टेस्ट छूट जाना) होना एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन माना जाता है। इसके परिणामस्वरूप, उन पर 4 साल तक का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

बता दें कि एनएडीए के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल में शामिल एथलीटों को हर तीन महीने में अपने ठिकाने की जानकारी देनी होती है। इसमें घर का पता, ईमेल एड्रेस और फोन नंबर; रात में रुकने की जगह का पता; मुकाबले का शेड्यूल और जगह (कब और कहां होंगे); और हर दिन के लिए 60 मिनट का एक ऐसा समय बताना होता है, जब वे टेस्टिंग के लिए उपलब्ध और मौजूद रहेंगे। इस समय के दौरान उपलब्ध न होने पर उन्हें मिस्ड टेस्ट (टेस्ट छूटने) का दोषी माना जा सकता है।

अभी नाडा की आरटीपी सूची में 348 खिलाड़ी शामिल हैं जिनमें 13 क्रिकेटर हैं। भारत के टी20 टीम के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ऑलराउंडर अक्षर पटेल को हाल में ही इस सूची में शामिल किया गया था। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह और तिलक वर्मा भी इस सूची में शामिल हैं। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतने वाली महिला टीम से ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, शेफाली और रेणुका सिंह ठाकुर को इस सूची में रखा गया है।

रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक सूत्र ने इस नोटिस की पुष्टि की है। सूत्र ने कहा, 'हमें नाडा से छूटे हुए परीक्षणों के बारे में सूचना मिली है, हम पता लगाएंगे कि ऐसा कैसे हुआ। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए हम जरूरी उपाय करेंगे।

बीसीसीआई के सूत्र ने आगे कहा, 'क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी हो गई है और हमें सभी प्रोटोकॉल का पालन करना होगा ताकि सब कुछ सुचारू रूप से आगे बढ़े। बता दें कि क्रिकेट को 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है।

अब घुसपैठ से मुक्त होगा पश्चिम बंगाल

सुरेश हिंदुस्तानी

लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है। इसके पीछे बांग्लादेश से आए घुसपैठिए भी एक बड़ा कारण है।

पश्चिम बंगाल में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तौर पर शुभेन्दु अधिकारी ने शासन की बागडोर संभाल ली है। भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी। इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का भी समर्थन भी शामिल रहा। अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है। क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं। जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा।

लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है। इसके पीछे बांग्लादेश से आए घुसपैठिए भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से बंगाल ही नहीं, असम भी प्रभावित है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को यह समस्या दिखाई नहीं देती। असम और पश्चिम बंगाल की जनता इस घुसपैठ के विरोध में खड़ी हो गई है, इसलिए इस बार का जनादेश भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में आया। इसी के चलते असम में भाजपा सरकार का पुनः बनना और पश्चिम बंगाल में एक नए राजनीतिक उदय के साथ सत्तारूढ़ होना इसी बात का परिचायक है कि भाजपा ही नहीं, जनता भी देश से घुसपैठियों को निकालने का मन बना चुकी है। सुनने में यह भी आ रहा है जो बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल में घुसपैठ करके आए, वे अपने देश वापस जाने का मानस बना चुके हैं। इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि अब पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तस्वीर पेश कर सकती है। पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुए हैं। यहां पर अप्रत्याशित रूप से ज़मीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं। जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि है। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है कि जो व्यक्ति घुसपैठ करके आए हैं, उनके सामने रोजगार का संकट है। जब रोजगार नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक रूप से व्यक्ति गलत कार्य भी करने लगता है। इससे की दशा और दिशा भी ख़राब हो रही है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रास्ते कई बांग्लादेशी नागरिक घुसपैठ करते रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की मदद से वे सभी अपने आशियाने भी बना रहे थे, इनके ज्यादातर आशियाने अवैध कब्ज़ा करके ही बने हैं। तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय इनको पर्याप्त संरक्षण भी मिला। उल्लेखनीय है जिन क्षेत्रों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बढ़ी है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्र रहे हैं। इन क्षेत्रों में हिन्दू समाज का कोई भी व्यक्ति जाने से डरता है। सवाल यह है कि यह डर किसने पैदा किया और इसको संरक्षण देने वाले कौन हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए इनको ताकत देने का काम किया। और यही उसकी हार का कारण भी बना।

अब पश्चिम बंगाल का राजनीतिक दृश्य परिवर्तित हो चुका है। जिन्होंने लम्बे समय तक अमानुषिक अत्याचार सहन किए, वे सत्ता में आ चुके हैं, लेकिन भाजपा को यह सत्ता ऐसे ही नही मिल गई। उसके सैकड़ों कार्यकर्ता का बलिदान इस जीत के नींव के पत्थर बने। चुनाव के बाद शुभेन्दु अधिकारी के निजी सहायक देवनाथ की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह कार्य प्रशिक्षित अपराधियों ने किया। संभावना इस बात की भी है कि घटना के बाद ये बांग्लादेश भाग चुके हैं। इसे राजनीतिक हत्या के तौर पर भी देखा जा रहा है और इसके आरोप तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लग रहे हैं।

घुसपैठियों की समस्या से त्रस्त पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद विदेशी घुसपैठिओं के चेहरे उतरने लगे हैं, क्योंकि अब इन विदेशी घुसपैठियों को सहन नहीं किया जाएगा। अब उनको बाहर जाना ही होगा। भाजपा की सरकार ही इनको बाहर निकलेगी। देश के गृह मंत्री अमित शाह इसकी चेतावनी पहले से ही देते रहे हैं। यहां यह कहना भी उचित होगा कि भाजपा ने केवल घुसपैठियों को बाहर निकालने की ही बात की है, भारत के मुसलमानों की नहीं, लेकिन विपक्ष और खासकर तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि सारे मुस्लिमों पर इसका प्रभाव होगा। विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना सभी चाहते हैं, विपक्ष को इस मुद्दे पर भाजपा का साथ देना चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय हित की बात है।

टिप्पणी

चिंगारी पड़ते ही लपटें

सरकार ने उलझे हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उसने समस्या को महज कानून-व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी कामयाबी नहीं मिली है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं।

मणिपुर में हालात लगातार इतने सुलगे हुए हैं कि कोई भी चिंगारी पड़ते ही लपटें उठने लगती हैं। बिशुनपुर जिले में मंगलवार को बम फेंके जाने की घटना के बाद यही हुआ। बम एक आम परिवार के घर पर फेंका गया, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। उसके बाद भड़की भीड़ ने जगह- जगह सुरक्षा ठिकानों सहित अन्य स्थलों को निशाना बनाया। उन पर हुई पुलिस कार्रवाई में दो और लोग मारे गए। पांच जिलों में कर्फ्यू लगाते हुए इंटरनेट बंद करना पड़ा। बम संभवतः कुकी उग्रवादियों ने फेंका, जिसका शिकार मैतेई परिवार बना।

बाद में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए दोनों व्यक्ति मैतेई समुदाय के ही हैं। इन घटनाओं ने फिर जाहिर किया है कि मणिपुर में हालात लगातार असामान्य बने हुए हैं। बल्कि मई 2023 में हिंसा शुरू होने के बाद से वहां मैतेई और कुकी समुदायों के बीच खाई लगातार चौड़ी होती गई है। इससे पूरे राज्य में अविश्वास का माहौल है। केंद्र और राज्य सरकारों ने उलझते गए हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उन्होंने समस्या को महज कानून- व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी प्रशासन कामयाब नहीं हुआ है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं। वैसे जहां अशांति की जड़ में दो समुदायों के बीच जारी तनाव हो, वहां कानून- व्यवस्था संबंधी उपायों से सामान्य स्थिति बहाल नहीं की जा सकती।

इस मोर्चे पर सत्ताधारी दल या किसी अन्य राजनीतिक पक्ष ने जमीनी पहल नहीं की है। आवश्यकता दोनों में समुदायों के बीच संवाद बनाने और सद्भाव पैदा करने की है, ताकि उनमें एक- दूसरे के प्रति गहराते गए वैर भाव को दूर करने का रास्ता निकले। फिलहाल सूरत यह है कि कुकी संगठन अलग प्रदेश की मांग पर अड़े हुए हैं। उन्हें नहीं लगता मैतेई बहुल मणिपुर में वे सुरक्षित रह पाएंगे। केंद्र ने मणिपुर में मुख्यमंत्री बदल कर नई सरकार में कुकी विधायकों को नुमाइंदगी देते हुए मसले का हल निकालने की कोशिश की। लेकिन उससे बात नहीं बनी है। अतः अब ऐसी जमीनी पहल की जरूरत है, जिसमें दोनों पक्षों का भरोसा और भागीदारी हो।

ब्लॉग

पश्चिम बंगाल: परिवर्तन के साथ पुनर्जागरण

राजनाथ सिंह

हे नूतन, देखा दिक आर-बार, जन्मेरो प्रथम शुभोखोन (हे नवीन, एक बार फिर से सामने आओ, ठीक उसी तरह जैसे जन्म के समय वह पहला शुभ क्षण आया था।)

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की यह पंक्तियाँ केवल एक कविता का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि समय-समय पर स्वतः स्फूर्त और नवीन होने वाली बंगाल की आत्मा का आह्वान भी हैं। गुरुदेव भली-भाँति समझते थे कि बंगाल समय के साथ केवल बदलता नहीं है, बल्कि वह बार-बार बेहतर और नए रूप में पल्लवित होता है। गुरुदेव की जयंती पर गायी जाने वाली यह कविता नवजागरण और नवचेतना की प्रतीक है। यह प्रार्थना पुरानी रूढ़ियों को तोड़कर, नए, उज्ज्वल और रचनात्मक विचारों के स्वागत का आह्वान भी है।

यह एक सुखद संयोग है कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती से कुछ दिन पहले ही, पश्चिम बंगाल कई दशकों के बाद नवजागरण का साक्षी बना है। 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। लेकिन भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनाव कभी सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं था। यह चुनाव इस महान भूमि के खोए हुए गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक अवसर था—एक ऐसा सभ्यतागत आह्वान, जो चुनावी समीकरणों और गणनाओं से कहीं ऊपर है।

आज जब पश्चिम बंगाल की चेतना और गौरव का अरुणोदय हो रहा है, तो हमें इस बात को समझने की आवश्यकता है कि बंगाल क्या है और बंगाल की चेतना का पुनर्जागरण किसे कहा जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है बंगाल की शताब्दियों पुरानी चेतना को समझना और जानना।

बंगाल सामाजिक चेतना का केंद्र होने से पहले ज्ञान और आध्यात्मिकता की पवित्र भूमि थी। 15वीं शताब्दी में नबद्वीप के गंगा तट पर एक युवा संन्यासी निमाई ने अपने कीर्तन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उस युवा सन्यासी को आज हम आदि संत चैतन्य महाप्रभु के नाम से जानते हैं। चैतन्य महाप्रभु के द्वारा दिखाया गया भक्ति मार्ग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का अभियान भी था। चैतन्य महाप्रभु ने जात-पात और ऊंच-नीच के बंधनों को तोड़ा। उनके द्वारा प्रवाहित वैष्णव परंपरा ने समाज में करुणा, समावेशिता, समता और सद्भावना को बल दिया।

यही चेतना बाउल परंपरा में भी दिखाई दी। बाउल परंपरा के फकीरों की पहचान जाति, धर्म या कोई ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता की भावना थी। बाउल परंपरा के सबसे महान प्रवर्तक लालन फकीर थे। वे किस संप्रदाय से थे, यह प्रश्न कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा। उन्होंने हिंदु समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था का भी विरोध किया तथा मुस्लिम समाज में होने वाले भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठायी। वे बंगाल की उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे, जिसमें सहिष्णुता और सह-अस्तित्व का भाव समाहित था।

विगत तीन शताब्दियों में, बंगाल और बंगाल के लोगों ने केवल भारत के सामाजिक नवजागरण आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, बल्कि उसका नेतृत्व भी किया। जब समाज अपनी जड़ता, कुरीतियों और विकृत परंपराओं के बोझ तले दब चुका था, तब राजा राममोहन राय ने न तो परंपरा का समूल रूप से परित्याग किया और न ही तर्कशून्य तरीके से उसको उचित ठहराया। उन्होंने लोगों को आत्मबोध कराकर, समाज को भीतर से सुधारने का मार्ग चुना। उनका संदेश स्पष्ट था — समाज का पुनर्जन्म बाहर से नहीं, भीतर की चेतना से होता है। सती प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल समाज सुधार से जुड़ा आंदोलन नहीं था, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनर्जीवित करने का एक तप था। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने इस कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि मुक्ति का मंत्र बना दिया। उन्होंने शिक्षा को नारी शक्ति के उत्थान, सशक्तिकरण और मुक्ति का साधन बना दिया।

बंगाल के ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम् जैसा अमर मंत्र राष्ट्र को दिया। वंदे मातरम् वह गीत था जिसने ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को बल दिया और सदियों से सोये हुए देश को जगा दिया। यह गीत आज भी भारत की अंतर-आत्मा का स्वर है। बंगाल ने ही भारत की सबसे पहली महिला चिकित्सक डॉ. कादम्बिनी गांगुली जी को जन्म दिया, जिन्होंने सभी को, विशेषकर महिलाओं को, प्रेरित किया। बंगाल की ही धरती पर जन्मे, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

संभवतः बंगाल की धरती ने जितनी भी विलक्षण प्रतिभाओं और महान लोगों को जन्म दिया, उनमें सबसे देदीप्यमान और प्रबुद्ध स्वामी विवेकानंद को कहा जा सकता है। शिकागो में दिया गया उनका भाषण इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने पूरे विश्व को वेदान्त और भारत के महान सभ्यतागत मूल्यों से परिचित कराया। यह सब बातें बंगाल की आत्मा की अभिव्यक्ति हैं। यही उसकी सनातन और शाश्वत पहचान रही है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल को इसी दृष्टि से देखते हैं। यह अतीत में लौटने की आकांक्षा नहीं है, न ही यह आधुनिकता की चाह में परायी सभ्यता की प्रतिछाया बनने की लालसा है। यह वह दृष्टि है जो बंगाल को पुनः जागृत करना चाहती है ताकि वह अपने पूर्ण सामर्थ्य के बल पर फिर से अपने सर्वोच्च वैभव को प्राप्त कर सके।

दुर्भाग्यवश, लंबे समय तक बंगाल के कुछ बुद्धिजीवियों और राजनीतिक वर्गों ने अपनी ही सांस्कृतिक विरासत को बोझ समझा और उसे हेय दृष्टि से देखा। सभ्यता, धर्म, संस्कृति और बंगाल की चेतना की बात करने वाले लोगों और उनकी आवाज को दबाया गया। परंपरा को पिछड़ापन समझा गया और आधुनिकता के नाम पर औपनिवेशिक मानसिकता को बढ़ावा दिया गया। परिणामस्वरूप पश्चिम बंगाल ने दशकों तक विकासहीनता, अराजकता, संस्थागत पतन और वैचारिक जड़ता का दंश झेला।

बंगाल में हुआ यह चुनाव और परिवर्तन सिर्फ राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं हैं। बल्कि यह ऐसे लोगों के खिलाफ जनादेश भी है जिन्होंने बंगाल को उसके मूल से दूर किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव सत्ता की लड़ाई नहीं थी, बल्कि पश्चिम बंगाल के गौरव और विरासत को पुनर्स्थापित करने का यज्ञ था।

बेलूर मठ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मिक जुड़ाव, स्वामी विवेकानंद के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा और सुशासन को 'सेवा के रूप में देखने का उनका दृष्टिकोण — ये सभी इस बात के प्रमाण हैं कि 'प्रधान सेवक बंगाल के विकास और पुनर्जागरण को एक पावन दायित्व मानते हैं, जिसे वे अपने 'प्रधान धर्म और 'प्रधान कर्म के रूप में निभा रहे हैं।

इसलिए बंगाल के विकास और पुनर्निर्माण का अर्थ कई दशकों से उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण हो चुके इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण तो है ही, साथ ही इसका अर्थ उन घाटों को पुनर्जीवित करना भी है जहाँ चैतन्य महाप्रभु के कीर्तन ने लोगों को भाव-विभोर किया था। इसका अर्थ उन शैक्षणिक संस्थानों को सशक्त करना भी है जिनका स्वप्न ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने देखा था। इसका अर्थ उन आदिवासी भाइयों-बहनों को गरिमा, सम्मान और अवसर देना भी है जो सदियों से बंगाल में रहते आए हैं। इसका अर्थ लंबे समय से उपेक्षा झेल रहे पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना भी है।

पिछले कुछ दशकों में भय और कुशासन के कारण ऐसा प्रतीत होने लगा था मानो पश्चिम बंगाल का स्वर्णिम युग बीत चुका हो। किंतु आज बंगाल एक बार फिर नए आत्मविश्वास और नई ऊर्जा के साथ समृद्धि एवं शांति से भरे नए युग में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन के साथ बनने वाली पहली भाजपा सरकार गुरुदेव के द्वारा वर्णित 'नूतन भावना के साथ सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ेगी और बंगाल की प्रतिष्ठा और समृद्धि के साथ बंगाल का सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने के लिए कार्य करेगी।

लेखक भारत सरकार में रक्षा मंत्री हैं।

वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर बुलडोजर से अतिक्रमण हटाए, अधिकमास में तीन शिफ्ट में होगी साफ-सफाई

आर्यावर्त संवाददाता

वृंदावन। अधिकमास में श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए नगर निगम ने परिक्रमा मार्ग में सफाई व्यवस्था के साथ कच्चे पाथ को उपलब्ध करवाने के लिए अभियान चलाया। निगम की टीम ने अटल्ला चुंगी से लेकर रमणरेती पुलिस चौकी कट तक सड़क किनारे कच्चे पाथ पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटवाया।

कच्चे पाथ पर हो रहे अवैध कब्जों को निगम की टीम ने हटाया

सोमवार को दैनिक जागरण ने अधिकमास में श्रद्धालुओं को गर्मी में परिक्रमा करने के दौरान कच्चा पाथ न मिलने का समाचार प्रकाशित किया था। मंगलवार को परिक्रमा मार्ग में अधिकमास के दौरान सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने को कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि करने के साथ तीन शिफ्ट में सफाई कार्य करवाने की भी योजना बनाई गई।

अधिकमास में परिक्रमा में तीन शिफ्ट में होगी सफाई व्यवस्था

अधिकमास 17 मई से शुरू हो रहा है। इस दिन से एक महीने तक देश दुनिया के लाखों श्रद्धालु पंचकोसीय पैदल व दंडवती परिक्रमा करेंगे। उज्जवल ब्रज संस्था के प्रभारी कुलदीप दीक्षित ने बताया कि परिक्रमा मार्ग में वर्तमान में 120 सफाईकर्मी काम कर रहे हैं। अधिकमास में डेढ़ सौ सफाईकर्मी तैनात कर तीन शिफ्टों में काम करवाया जाएगा। सुबह पांच से दोपहर एक बजे तक दोपहर तीन से रात दस बजे तक और रात दस बजे से सुबह पांच बजे तक तीन शिफ्टों में सफाईकर्मी दिनरात परिक्रमा मार्ग में सफाई व्यवस्था की कमान संभालेंगे।

पत्रकार के हत्यारों को सजा मिलने तक जारी रहेगा संघर्ष

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार भवन में बुधवार को शहीद पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की दूसरी पुण्यतिथि पर बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया एसोसिएशन द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पत्रकार भवन के सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर जुटे पत्रकारों ने कहा कि पत्रकार के हत्यारों को सजा मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा ।जिले भर से जुटे पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों ने शहीद पत्रकार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम और ग्रामीण पत्रकार एसोसियेशन के जिला अध्यक्ष संजय अस्थाना ने ने दो वर्ष बीत जाने के बावजूद हत्यारों के खिलाफ शासन और प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई न किए जाने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया । पत्रकार राम जी जायसवाल, व अब्दुल हक अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह कितना बड़ा दुर्भाग्य है कि सभी को न्याय दिलाने के लिए लड़ाई लड़नें वाला पत्रकार आज खुद न्याय पाने के लिए संघर्ष की लाइन में खड़ा है। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं बल्कि लोकतंत्र के चैथे स्तंभ पर हमला था। उन्होंने कहा कि यदि पत्रकार सुरक्षित नहीं रहेगा तो समाज की आवाज भी दब जाएगी। शहीद पत्रकार आशुतोष के बड़े भाई संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि मामले की विवेचना में शुरू से ही लापरवाही बरती गई, जिसके चलते पीड़ति परिवार आज भी न्याय के लिए भटक रहा है।सभा के अंत में पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि यदि जल्द निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो पत्रकार संगठन आंदोलन करने को बाध्य होंगे। सभी ने आशुतोष श्रीवास्तव को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। राजेश श्रीवास्तव, राजकुमार सिंह, शशिराज सिन्हा, अजय शुक्ला, अजीत सिंह, जावेद अहमद, अब्दुल हक अंसारी, आदित्य भारद्वाज, दीपक श्रीवास्तव, राजन मिश्रा, नितिश कुमार राहुल, दीपक मिश्रा, दीपक सिंह उर्फ रिंकू, अजीत बादल चक्रवर्ती, नीरज सिंह, अखिलेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर आसाराम यादव, वीरेंद्र पाण्डेय, विनोद विश्वकर्मा, रोहित चैबे, आबिश इमाम, तबरेज नियाजी, अनवर हुसैन, सुनील सिंह, शिवेंद्र सिंह 'काजू', संजय चैरसिया, भोले विश्वकर्मा सहित आशुतोष श्रीवास्तव के बड़े भाई संतोष श्रीवास्तव, परितोष श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, भतीजे अमित श्रीवास्तव, अंकित , अर्पित श्रीवास्तव, आदि मौजूद रहे।

आंखों के सामने एक-एक कर डूबते गए दोस्त, काजल ने सुनाई चार मौतों की खौफनाक कहानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। यमुना में 4 बच्चों की मौत के बाद जिम्मेदार जाग गए हैं। भविष्य में हादसों को रोकने के लिए रुनकता के रेणुका घाट पर पीएसी के कैंप को अब बल्केश्वर घाट पर स्थानांतरित किया जाएगा। एडीए की पथकर निधि से घाटों पर डूबने वालों को बचाने के संसाधनों का इंतजाम किया जाएगा।

विधायक एत्मादपुर डॉ. धर्मपाल सिंह ने बताया कि पूर्व में हुए हादसों के बाद उन्होंने शासन से वार्ता की थी। अधिकांश हादसे बल्केश्वर से ताजमहल के पीछे दशहरा घाट के बीच होते हैं। दशहरा घाट पर जल पुलिस की पिकेट की तैनाती है, लेकिन अन्य स्थानों पर यमुना किनारे निगरानी की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में रेणुका धाम पर पीएसी कैंप को स्थानांतरित करके बल्केश्वर घाट पर लगाया जाए। इसके लिए पीएसी और जिलाधिकारी से भी बात की गई है। कैंप को स्थानांतरित करने के बाद एडीए की पथकर निधि से स्टीमर, लाइफ जैकेट समेत अन्य जरूरी उपकरणों की व्यवस्था की जाएगी। पीएसी के मौजूद होने से किसी भी हादसे के दौरान तुरंत बचाव कार्य हो सकेगा और जनहानि को रोका जा सकेगा।

थानों में नहीं है तैराकी में दक्ष सिपाही

नियमों के अनुसार जिन थानों के क्षेत्र में नदियों के घाट और किनारे हों, वहां तैराकी में दक्ष सिपाहियों को तैनात किया जाना चाहिए। थाने में तैराकी के सभी उपकरण जैसे लाइफ जैकेट और पूरी बॉडी वार्मर किट और अन्य उपकरण मौजूद होने चाहिए। किसी को डूबने से बचाने और नदी में कोई शव बहता देख निकालने आदि कामों के लिए सिपाही प्रशिक्षित होने चाहिए। कमिश्नरेट में नदियों के क्षेत्र वाले थानों में इस तरह की सुविधाओं का अभाव है। कोई घटना होने पर स्थानीय तैराकों के सहारे ही पुलिस राहत कार्य करती है।

मना करने के बाद भी यमुना में उतरे थे बच्चे

जन्मदिन समारोह में आए सभी बच्चे टोली बनाकर यमुना की तलहटी में पहुंचे थे। पानी की तलाश में 300 मीटर से ज्यादा चलकर किनारे पर पहुंचे थे। बल्केश्वर घाट पर मौजूद तैराक टीटू ने उन्हें देखा तो यमुना में जगह-जगह गड्ढे होने का हवाला देकर पानी में उतरने से मना कर दिया। टीटू के भाई ने भी उन्हें रोका। टीटू ने बताया कि भाई इसी दौरान कुछ सामान लेने चला गया। मौका देखकर बच्चे पानी में उतरने लगे। वहां फिसलन थी और पानी गहरा था। बच्चों को डूबता देख वह तुरंत पानी में कूदे और काफी प्रयास कर तीन को बाहर निकाल लिया। उस समय पानी से निकालने के बाद बच्चों के शरीर ने हरकत करना बंद कर दिया था।

पानी में नहीं जाना चाहती थी काजल

बच्चों की टोली में शामिल काजल ने बताया कि वह बहन संध्या के साथ घाट पर गई थी। कान्हा और विक्की नहाने की जिद कर रहे थे। महक भी उनके साथ पानी में जाना चाहती थी। कान्हा और विक्की को डूबता देख महक और रिया ने उन्हें निकालने की कोशिश की और वह भी पानी में डूबने लगीं। वह भी बचाने को पानी में उतरी और डूबने लगी। वहां बचाने आए एक व्यक्ति ने बांस आगे किया और बांस को पकड़ कर वह बाहर निकल पाई।

कई बार बेसुध हुई बच्चों की मौसी

हादसे की खबर मिलते ही भूरी सिंह की पत्नी मानसी मौके पर पहुंची। अपने करीबी रिश्तेदारों के बच्चों की लाशें देख कर वह कई बार बेसुध हो गई। लोगों से बार-बार बच्चों की नब्ज देखने को कहने लगी। उन्होंने बताया कि बच्चों से नदी की ओर जाने से मना किया था पर बच्चों ने बात नहीं मानी। अपने घर आए बच्चों की मौत का दंश उनके जिंदगी भर का दुख हो गया। उनकी हालत देखकर लोगों ने ढांढस बंधाने का प्रयास करने लगे।

अपने इकलौते बेटे विक्की के पानी में डूबने के बाद मौके पर उसकी मां लोगों से बेटे को निकालने की गुहार लगाने लगी। गोताखोरों की टीम ,जल पुलिस और अन्य तलाश कर रहे थे, पर मां का कलेजा बाहर आ रहा था, वह वहां खड़े लोगों पर चिल्लाने लगीं। तमाशा देखने की बजाय बच्चे को निकालने की कहने लगी। उनकी हालत देखकर परिजनों ने समझाया तो वह रोते-रोते बेसुध हो गई।

लाठी डण्डे से महिला को पीट ने का वीडीओ जारी

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के बारी गांव नेवादा चैहान बस्ती में जमीन बंटवारे को लेकर हुई मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग लाठी-डंडों और लात-घूसों से एक महिला को पीटते हुए दिख रहे हैं। इस मामले में पीड़ति हिना सिंह, पत्नी आनंद सिंह, निवासी बारी गांव नेवादा चैहान बस्ती ने मड़ियाहूं कोतवाली में तहरीर दी है। हिना सिंह के अनुसार, गांव के नीरज पुत्र दरोगा, धीरज पुत्र दरोगा, मुन्ना पुत्र उमाशंकर और जितेंद्र ने मारपीट शुरू कर दी। जब हिना सिंह की जेठानी ज्योति सिंह बीच-बचाव करने आईं, तो उन्हें भी गाली-गलौज कर लाठी-डंडों से पीटा गया। पड़ोसियों के हस्तक्षेप के बाद, सभी विपक्षी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। मड़ियाहूं थाना प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और घायलों का इलाज कराया जा रहा है।

'तेरे हिस्से के मच्छर मुझे काटते हैं...' एएमयू में मच्छरदानी को लेकर विवाद, दो छात्रों ने जमकर की मारपीट

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। तेरे हिस्से के मच्छर मुझे काटते हैं...' एक छात्र की ओर से मच्छरदानी लगाने पर दूसरे छात्र ने उस पर यह आरोप लगाया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एसएस नॉर्थ हॉल में मच्छरदानी को लेकर विवाद में दो छात्रों के बीच मारपीट हो गई। बात इतनी बढ़ी कि दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रोक्टर ऑफिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मामले में प्रॉक्टर कार्यालय जांच कर रहा है।

हॉस्टल के एक कमरे में रहने वाले दो छात्रों के बीच विवाद हुआ था। इनमें से एक छात्र कश्मीर का रहने वाला है, जबकि दूसरा छात्र उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से आया है। कश्मीरी छात्र ने गर्मी और मच्छरों से बचने के लिए अपने बिस्तर पर मच्छरदानी लगा ली थी। शुरुआत में यह सामान्य बात लग रही थी, लेकिन उसके रूममेट को इससे परेशानी होने लगी।

मच्छरदानी को लेकर संग्राम

दूसरे छात्र का आरोप था कि मच्छरदानी लगाने की वजह से कमरे के सारे मच्छर उसकी तरफ आने लगे और उसे ज्यादा काटने लगे। उसने यह भी शिकायत की कि मच्छरदानी की वजह से कमरे में लगे कूलर की हवा ठीक से नहीं आ रही थी। इसी बात को लेकर दोनों छात्रों के बीच पहले बहस हुई और फिर मामला हाथापाई तक पहुंच गया।

घटना के बाद दोनों छात्र प्रॉक्टर ऑफिस पहुंचे और एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। एएमयू के प्रॉक्टर प्रोफेसर नावेद अली खान ने बताया कि यह घटना एसएस नॉर्थ हॉल की है, जहां अलग-अलग वर्ष के छात्र एक ही कमरे में रह रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों छात्र ग्रेजुएशन के सेकंड और थर्ड ईयर के हैं।

'मच्छरदानी के कारण कूलर की हवा रुक रही'

प्रोफेसर नावेद अली खान के मुताबिक, एक छात्र की शिकायत थी कि उसका रूममेट मच्छरदानी लगाता है, जिससे कमरे के मच्छर उसकी तरफ आ जाते हैं और उसे ज्यादा परेशान करते हैं। वहीं दूसरी शिकायत यह थी कि मच्छरदानी के कारण कूलर की हवा रुक रही थी। इसी मुद्दे पर दोनों के बीच कहासुनी हुई और मामला बढ़ गया। प्रॉक्टर ने कहा कि छात्रों के बीच इस तरह की छोटी-छोटी बातों पर विवाद होना अच्छी बात नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन दोनों छात्रों को बुलाकर समझाने और मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर जांच में किसी छात्र द्वारा कानून को अपने हाथ में लेने या हिंसा करने की पुष्टि होती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नवदिया झादा फ्लाईओवर पर एक जुलाई से फर्राटा भरेंगे वाहन, दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर सफर होगा आसान

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली जिले के नवदिया झादा चौराहे पर बना सिक्सलेन फ्लाईओवर एक जुलाई से वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। करीब 980 मीटर लंबा यह फ्लाईओवर 29.83 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है। इसके शुरू होने से दिल्ली-लखनऊ और नैनीताल मार्ग पर यात्रा करने वाले राहगीरों को बड़ी राहत मिलेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने जून के अंत तक सभी तकनीकी और फिनिशिंग कार्य पूरे करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में फ्लाईओवर पर सड़क निर्माण और एप्रोच रोड का काम अंतिम चरण में है। यह परियोजना जनवरी 2026 तक पूरी होनी थी, लेकिन किसी न किसी कारण से इसमें देरी हुई। इसके बाद जून 2026 की नई समय सीमा तय की गई। नवदिया झादा चौराहा लंबे समय से जिले का एक प्रमुख ब्लैक स्पॉट रहा है, जहां कई सड़क हादसे हुए हैं। फ्लाईओवर शुरू होने के बाद दिल्ली-लखनऊ हाईवे का यातायात सीधे ऊपर से गुजरेगा। स्थानीय और बीसलपुर सड़क का यातायात नीचे बने अंडरपास से संचालित होगा। इससे हाईवे पर यातायात का दबाव कम होगा और जाम की समस्या समाप्त होगी।

अंडरपास से स्थानीय लोगों को राहत

एनएचएआई ने फ्लाईओवर के साथ एक अंडरपास का भी निर्माण किया है। यह अंडरपास बरेली-बीसलपुर मार्ग पर आने-जाने वाले हजारों लोगों के लिए फायदेमंद होगा। अभी निर्माण कार्य के चलते लोगों को करीब दो कि लो मी ट र अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा था। नई व्यवस्था से स्थानीय यातायात बिना बाधा के सीधे अंडरपास से गुजर सकेगा। इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी।

मुरादाबाद के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि नवदिया झादा फ्लाईओवर का निर्माण तेजी से चल रहा है। एप्रोच रोड और तकनीकी कार्य अंतिम चरण में हैं। विभाग का लक्ष्य जून के अंत तक सभी काम पूरे करने का है। एक जुलाई से फ्लाईओवर को जनता के लिए खोलने की योजना है। इससे यात्रियों को जाम और दुर्घटनाओं से स्थायी राहत मिलेगी।

नील गाय के आतक से किसान परेशान

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नील गाय के आतक से किसान परेषान है उनको भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। तहसील सदर क्षेत्र के लखउवा ग्रामसभा में नीलगायों का आतंक किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। नीलगायों के झुंड मौसमी सब्जियों की फसलों को रौंद रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।बुधवार को लखउवा के खेतों में जुटे किसानों ने अपनी पीड़ा साझा की। किसान दुर्गेश शर्मा, अरविंद यादव और जितेंद्र यादव ने बताया कि इस बार उन्होंने खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा और कद्दू जैसी नकदी फसलों में बड़ा निवेश किया था, लेकिन नीलगायों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।किसानों के अनुसार, वे रातभर लाठी-डंडे लेकर खेतों की रखवाली कर रहे हैं, फिर भी 20 से 30 नीलगायों के झुंड को खेतों से भगाना बेहद मुश्किल और जोखिम भरा साबित हो रहा है। किसानों का कहना है कि नीलगाय फसलों को खाने से ज्यादा अपने भारी शरीर और खुरों से कुचलकर नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे बेल वाली संवेदनशील फसलें पूरी तरह नष्ट हो जाती हैं।लखउवा क्षेत्र से बड़ी मात्रा में सब्जियां स्थानीय और जिला मुख्यालय की मंडियों में भेजी जाती हैं। किसानों का कहना है कि यदि नीलगायों का आतंक इसी तरह जारी रहा, तो बाजार में सब्जियों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे आने वाले दिनों में खीरा, ककड़ी और तरबूज जैसी मौसमी फसलों के दाम बढने की आशंका है। किसानों ने आरोप लगाया कि वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को कई बार मौखिक और लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

फर्जी आईएएस-पीसीएस भाई-बहन की जोड़ी... ठगी का बुनते ऐसा मायाजाल, फिर बेरोजगारों से पैसे लेकर जीते ऐसी लग्जरी लाइफ

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। प्रदेश के बरेली में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाली फर्जी IAS विप्रा शर्मा की असलियत सामने आने के बाद हर कोई हैरान है। खुद को एडीएम बताने वाली विप्रा शर्मा और उसका परिवार बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी का झांसा देकर उनकी मेहनत की कमाई ऐंठता रहा। फिर उन्हीं पैसों से आलीशान जिंदगी जीता रहा। अब इस पूरे मामले में 22 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं, जबकि कई और पीड़ित सामने आए हैं। खास बात यह है कि बहन फर्जी IAS तो भाई PCS अधिकारी बनकर ठगी करता था। फिलहाल, भाई पिता फरार हैं।

दरअसल, थाना बारादरी क्षेत्र के ग्रेटर ग्रीन पार्क कॉलोनी की गली नंबर 7 में स्थित दो मंजिला आलीशान कोठी इन दिनों सूनी पड़ी है। करीब 2000 स्क्वायर फीट में बनी इस कोठी में विप्रा शर्मा अपने पिता वीरेंद्र कुमार शर्मा, बहन शिखा शर्मा और ममेरे भाई अंकित शर्मा के साथ रहती थी। पुलिस कार्रवाई के बाद घर पर ताला लटका हुआ है और कॉलोनी में इसी परिवार की चर्चा हो रही है।

जब पड़ोसियों पूछा तो बताया कि विप्रा खुद को IAS अधिकारी बताकर रौब झाड़ती थी। उसकी गाड़ी पर उत्तर प्रदेश सरकार और एडीएम लिखा रहता था। वहीं उसका ममेरा भाई अंकित शर्मा खुद को PCS अधिकारी और तहसीलदार बताता था। दोनों भाई-बहन सरकारी रसूख का डर दिखाकर लोगों को भरोसे में लेते थे और फिर नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपए वसूल लेते थे।

आलीशान कोठी में दिखती थी ठगी की काली कमाई

ग्रेटर ग्रीन पार्क स्थित इस कोठी को देखकर कोई भी यही समझता था कि यहां किसी बड़े अधिकारी का परिवार रहता है। घर में इटैलियन मार्बल लगा हुआ था। दीवारों पर रॉयल टेक्सचर और मखमली फिनिश का काम कराया गया था। हॉल में बड़े-बड़े क्रिस्टल झूमर लगे थे और ड्राइंग रूम विदेशी फर्नीचर व महंगे पर्दों से सजाया गया था। कोठी का मॉड्यूलर किचन भी बेहद हाईटेक था। किचन में महंगे नैनो-व्हाइट काउंटर और जर्मन तकनीक वाले साइलेंट सिंक लगाए गए थे। वहीं, वॉशरूम में गोल्ड फिनिश फिटिंग्स, स्मार्ट सेंसर वाले शीशे और प्रीमियम इटैलियन वॉशबेसिन लगे थे। घर का हर हिस्सा लग्जरी लाइफस्टाइल की कहानी बयां कर रहा था। पड़ोसियों के मुताबिक, घर के बाहर अक्सर लग्जरी गाड़ियां खड़ी रहती थीं। कॉलोनी में आने-जाने वाले लोग इस घर की भव्यता देखकर प्रभावित हो जाते थे। किसी को अंदाजा तक नहीं था कि इसी आलीशान कोठी के अंदर बेरोजगार युवाओं को ठगने का खेल चल रहा है।

हैरानी की बात यह है कि इस गैंग ने गरीब लोगों को भी नहीं छोड़ा। कॉलोनी में काम करने वाली एक महिला और कुल्फी बेचने वाले युवक से भी नौकरी दिलाने के नाम पर पांच-पांच लाख रुपए ठग लिए गए। पड़ोसियों का कहना है कि परिवार पिछले करीब 20 साल से यहां रह रहा था। विप्रा के पिता शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं, लेकिन बच्चों ने गलत रास्ता चुन लिया। कॉलोनी में रहने वाले एक रिटायर्ड अधिकारी ने बताया कि अगर सच में विप्रा का चयन IAS में हुआ होता तो पूरी कॉलोनी को इसकी जानकारी होती, लेकिन परिवार सिर्फ झूठे रौब के सहारे लोगों को प्रभावित करता रहा।

ब्रांडेड कपड़े, महंगे जूते और करोड़ों की ज्वेलरी का शौक

पुलिस जांच में सामने आया कि विप्रा शर्मा को महंगे और ब्रांडेड कपड़ों का बेहद शौक था। उसके पास जरा, लेविस, ओनली, मैंगो और एलेन सॉली जैसे ब्रांड्स के कपड़े मिले हैं। एथनिक वियर में वह बीबा, डब्लू और रितु कुमार जैसे महंगे डिजाइनर ब्रांड पहनती थी। उसके वार्डरोब में अनीता डोंगरे जैसे डिजाइनर कपड़े भी मिले, जिनकी कीमत हजारों से लेकर लाखों रुपए तक बताई जा रही है। विप्रा के पास करीब 70 जोड़ी महंगी सेंडिल और जूतियां भी मिली हैं। इनमें जिमी चू और क्रिश्चियन लॉबोटिन जैसे इंटरनेशनल ब्रांड्स शामिल बताए जा रहे हैं। इसके अलावा वह नीडल डस्ट और फिजी गोबलेट जैसी डिजाइनर फुटवियर भी पहनती थी।

कॉस्मेटिक और मेकअप का उसका कलेक्शन भी बेहद महंगा था। पुलिस को उसके कमरे से शैनेल, डियोर, गुच्ची, टॉम फोर्ड, ला मेर, एस्टी लॉडर और हुडा ब्यूटी जैसे महंगे ब्रांड्स के ब्यूटी प्रोडक्ट मिले हैं। बताया जा रहा है कि वह सिर्फ अपनी सजावट और मेकअप पर ही लाखों रुपए खर्च करती थी। इसके अलावा उसके पास सोने-हीरे के गहनों के साथ डिजाइनर कुंदन और पोलकी ज्वेलरी का बड़ा कलेक्शन भी मिला है। पुलिस को शक है कि ठगी के पैसों से ही यह पूरी लग्जरी लाइफस्टाइल तैयार की गई थी।

नीली बत्ती लगी गाड़ी में घूमती, लोगों को दिलाती भरोसा

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि साल 2022 से इस गैंग ने ठगी का जाल फैलाना शुरू किया था। सरकारी नौकरी दिलाने, अधिकारियों से सेटिंग कराने और चयन पक्का कराने के नाम पर युवाओं से मोटी रकम ली जाती थी। नीली बत्ती लगी गाड़ी और सरकारी रुतबे का इस्तेमाल कर लोगों को भरोसे में लिया जाता था। प्रीति लॉयल की शिकायत के बाद बारादरी पुलिस ने जांच शुरू की तो पूरे गिरोह की परतें खुलती चली गईं। पुलिस ने 26 अप्रैल को विप्रा शर्मा, उसकी सगी बहन शिखा शर्मा और ममेरी बहन दीक्षा पाठक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि, पिता वीरेंद्र शर्मा और ममेरा भाई अंकित शर्मा अब भी फरार बताए जा रहे हैं।

क्या-क्या बरामद किया पुलिस ने?

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान साढ़े चार लाख रुपए नकद, दो लैपटॉप, तीन पासबुक, दस चेकबुक, चार मोबाइल फोन और दो आईफोन बरामद किए थे। इसके अलावा अलग-अलग खातों में जमा करीब 55 लाख रुपए भी फ्रीज कराए गए हैं।

फिलहाल, पुलिस इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है। आशंका है कि ठगी का शिकार हुए लोगों की संख्या और बढ़ सकती है। कॉलोनी के लोग अब भी इस बात पर यकीन नहीं कर पा रहे कि सरकारी अफसर बनकर घूमने वाला यह परिवार असल में बेरोजगार युवाओं के सपनों से खेल रहा था।

भर पेट खाने की आदत के बावजूद बच्चा है अंडरवेट? इसकी वजह फोन तो नहीं

बच्चा खाना खाता है तो सिर्फ फोन में वीडियो या शॉट्र्स देखते हुए। पूरे भारत में ये समस्या अमूमन हर घर में बनी हुई है। 6 महीने का बच्चा भी फोन में देखते हुए चीजों को खाता है। ये पेरेंट्स की सबसे बड़ी गलती है। पर क्या इससे बच्चे के अंडरवेट होने का कनेक्शन है। चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं...

फोन देखकर ही खाना खाने की वजह से बच्चा क्या अंडरवेट का शिकार हो जाता है? इतना ही नहीं इस बुरी आदत की वजह से बच्चा ओवरवेट भी हो जाता है। खाना खाते हुए फोन देखने की ये लत कई तरीकों से बच्चों को नुकसान पहुंचा रही है। दरअसल, भारतीय घरों में अधिकतर माता-पिता अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए खुद से ज्यादा फोन पर डिपेंड रहते हैं। खाना खाते वक्त तो बच्चा स्क्रीन देखता ही है इसके अलावा भी वो ऑलटाइम गैजेट्स में टाइम बिताता है। कई रिसर्च में सामने आ चुका है कि बच्चा अगर फोन देखते हुए ही खाना खाता है तो इससे उसकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ दोनों पर बुरा असर पड़ता है।

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि इस कारण खाना ठीक से पचता नहीं है। इसके अलावा बच्चा अपनी भूख को भी मॉनिटर नहीं कर पाता है। चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं कि ऐसे खाना खाने का तरीका सेहत के लिए कितना खतरनाक है?

फोन देखते हुए खाना खाना

बीते कुछ सालों में स्मार्ट फोन और सोशल मीडिया का क्रेज अमूमन हर किसी को है। बड़े हो या बच्चे... हर इंसान फोन पर घंटों बर्बाद करते हैं। बच्चों की बात करें तो ये शॉर्ट और लॉन्ग वीडियो, गेम्स या दूसरे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को यूज करने के आदी हो गए हैं। 6 महीने का बच्चा भी यूट्यूब पर वीडियो देखते हुए खाना खाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि ये एक तरह की लत है जिसके लॉन्ग टर्म में गंभीर नुकसान होते हैं। इस आदत का असर हमारे खाने के तरीके पर भी पड़ रहा है। बच्चे फोन देखते हुए देर तक खाना खाते हैं। जानें इसके नुकसान...

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

नोएडा के निदान मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल के डॉक्टर राजीव रंजन कहते हैं, फोन का इस्तेमाल और स्क्रीन टाइम हैं आज के डेट में बहुत बड़ी परेशानी है। एक्सपर्ट कहते हैं कि ज्यादातर मामलों में माता-पिता के पास समय नहीं होता। टाइम की बचत के अलावा बच्चे कुछ खा रहा है इस वजह के चलते भी पेरेंट्स उसे फोन दिखाकर खाना खिलाते हैं। डॉ। राजीव रंजन कहते हैं कि इस तरीके से पेरेंट्स रिलैक्स हो सकते हैं लेकिन पौष्टिक आहार की कमी रह जाती है। इस दौरान बच्चे फोन में इतना खो जाते हैं कि वो खाने पर ध्यान नहीं देते हैं और ये अंडरवेट होने का एक अहम कारण है।

पौष्टिक आहार की कमी, बैलेंस्ड डाइट कमी, कार्ब्स कमी, प्रोटीन और फैट कमी के कारण बच्चा ठीक से ग्रो नहीं कर पाता है। बच्चा पिक ईटर बन जाता है। खास तौर पर 1 से 3 साल के बच्चों को फोन और स्क्रीन टाइम को इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। माता-पिता को कोशिश करनी चाहिए कि वे बच्चे को बैलेंस्ड डाइट दें।

फोन की लत छुड़ाने के तरीके

डॉ। राजीव कहते हैं कि खाना खिलाते हुए कुछ क्रिएटिव तरीके आजमाएं। जिस थाली में आप खा रहे हैं उसी में बच्चे को भी खिलाएं। ऐसा करके आप उसे अटेंशन दे पाते हैं और वो खाने को मन से खाएगा।

जो बच्चे को खिला रहे हैं, उसे आप भी खाएं क्योंकि ऐसा देखकर बच्चा प्रोत्साहित होता है।

हर समय फोन और स्क्रीन टाइम का यूज न सिर्फ बैलेंस्ड डाइट से दूर करता हैं बल्कि मानसिक विकास में रोक लगाता हैं।

8 घंटे की नींद के बाद भी नहीं मिल रहा आराम? ये हो सकती हैं वजहें

जल्दी सोने के बाद भी अगर आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है तो इसके पीछे कई वजह हो सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको 5 ऐसी ही आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं जो नींद की क्वालिटी को प्रभावित कर रही हैं।

नींद पूरी करने के लिए जल्दी सोने की सलाह दी जाती है। लेकिन आजकल कई लोग शिकायत करते हैं कि रात को जल्दी सोने के बाद भी सुबह नींद पूरी सी नहीं लगती है। सुस्ती रहती है और फ्रेश फील नहीं होता है। अगर रात में जल्दी बिस्तर पर जाने के बावजूद अगर शरीर को सही आराम नहीं मिल पा रहा है, तो इसके पीछे सिर्फ कम नींद ही नहीं बल्कि आपकी कुछ रोजमर्रा की आदतें भी जिम्मेदार हो सकती हैं। कई बार लोग यह समझ नहीं पाते कि अच्छी नींद सिर्फ घंटों पर नहीं, बल्कि उसकी क्वालिटी पर भी निर्भर करती है।

बदलती लाइफस्टाइल, बढ़ता स्क्रीन टाइम, तनाव और अनियमित दिनचर्या का असर सीधे हमारी नींद पर पड़ता है। कुछ लोग सोने से पहले घंटों मोबाइल चलाते रहते हैं, तो कुछ देर रात तक कैफीन या भारी खाना लेते हैं। ये छोटी-छोटी आदतें शरीर के नेचुरल स्लीप साइकल को बिगाड़ सकती हैं, जिससे रातभर बार-बार नींद टूटने लगती है और सुबह शरीर फ्रेश महसूस नहीं करता। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं ऐसी ही उन गलतियों के बारे में जो नींद की क्वालिटी को कर रही हैं खराब।

दिनभर फिजिकल एक्टिविटी की कमी

अगर आप पूरे दिन बहुत कम चलते-फिरते हैं और ज्यादातर समय बैठे रहते हैं, तो इसका असर आपकी नींद पर भी पड़ सकता है। शरीर को पर्याप्त थकान न मिलने पर रात में नींद गहरी नहीं आती। यही कारण है कि कई लोग लंबे समय तक सोने के बाद भी सुबह फ्रेश महसूस नहीं करते।

दिन में ज्यादा देर तक सोना

दोपहर में लंबे समय तक सोने की आदत रात की नींद खराब कर सकती है। ज्यादा देर की नैप शरीर के नेचुरल स्लीप साइकल को बिगाड़ देती है, जिससे रात में गहरी नींद नहीं आती और सुबह उठने पर थकान बनी रहती है।

कम पानी पीना

शरीर में पानी की कमी भी नींद की क्वालिटी को प्रभावित कर सकती है। डिहाइड्रेशन की वजह से शरीर में बेचैनी, सिरदर्द और मुंह सूखने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे रात में बार-बार नींद टूट सकती है।

रात में बार-बार अलार्म लगाना

कुछ लोग सुबह उठने के लिए कई अलार्म लगाते हैं और हर थोड़ी देर में स्नूज़ करते रहते हैं। इससे नींद बार-बार टूटती है और दिमाग पूरी तरह रिलैक्स नहीं हो पाता। यही वजह है कि पर्याप्त घंटे सोने के बाद भी शरीर थका हुआ महसूस करता है।

चाय के शौकीन हैं? इन 5 गलतियों से बचें, स्वास्थ्य पर पड़ सकता है बुरा असर

चाय का स्वाद और उसके फायदे सभी को भाते हैं। लेकिन, चाय पीने का तरीका और समय इसका असर बदल सकता है। कई लोग बिना सोचे-समझे चाय का सेवन करते हैं, जिससे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आइए आज हम आपको चाय पीने से जुड़ी कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

खाली पेट चाय न पिएं

खाली पेट चाय पीना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में करते हैं। इससे पेट में जलन, गैस और खट्टी डकार जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खाली पेट चाय पीने से शरीर में खट्टापन बढ़ जाता है, जो पाचन पर असर डालता है। इसके अलावा यह आपके ऊर्जा स्तर को भी कम कर सकता है। इसलिए हमेशा नाश्ता करने के बाद ही चाय का सेवन करें ताकि पेट में स्थिरता बनी रहे।

चीनी का अधिक सेवन न करें

चाय में चीनी मिलाना आम बात है, लेकिन इसका अधिक सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। ज्यादा चीनी मिलाने से वजन बढ़ सकता है, दांतों में सड़न हो सकती है और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा ज्यादा मीठी चाय पीने से शरीर में सूजन भी हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि चाय में कम से कम चीनी मिलाई जाए या फिर चीनी के विकल्प जैसे शहद या गुड़ का इस्तेमाल करें।

दूध वाली चाय का सेवन सीमित रखें

दूध वाली चाय का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा दूध वाली चाय पीने से शरीर में चर्बी की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा रहता है। इसके अलावा इससे पाचन पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए दिन में एक या दो कप ही दूध वाली चाय का सेवन करें और बाकी समय हर्बल या बिना दूध वाली चाय पिएं।

देर रात चाय न पिएं

देर रात चाय पीने से नींद पर बुरा असर पड़ता है। कैफीन युक्त चाय पीने से नींद जल्दी नहीं आती और अगर आती भी है तो बार-बार टूट जाती है। इससे अगली सुबह थकान महसूस होती है और दिनचर्या प्रभावित होती है। इसके अलावा देर रात चाय पीने से पाचन पर भी असर होता है, जिससे नींद की समस्या बढ़ सकती है। बेहतर होगा कि रात का खाना खाने के बाद कम से कम 2 घंटे तक चाय न पिएं।

चाय बनाने का तरीका सही रखें

चाय बनाते समय पानी को ज्यादा देर तक न उबालें और न ही उसमें ज्यादा देर तक चायपत्ती छोड़ें। इससे न केवल उसका स्वाद बिगड़ जाता है, बल्कि उसमें मौजूद पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं। बेहतर होगा कि आप चाय को हल्का ही उबालें और उसमें चायपत्ती को ज्यादा देर तक न छोड़ें। इससे आपकी चाय स्वादिष्ट बनेगी और उसमें मौजूद पोषक तत्व भी बरकरार रहेंगे।

मोबाइल डेटा जैसी क्रांति लाएगा एआई, ऊर्जा खपत में होगी बड़ी वृद्धि : गौतम अदाणी

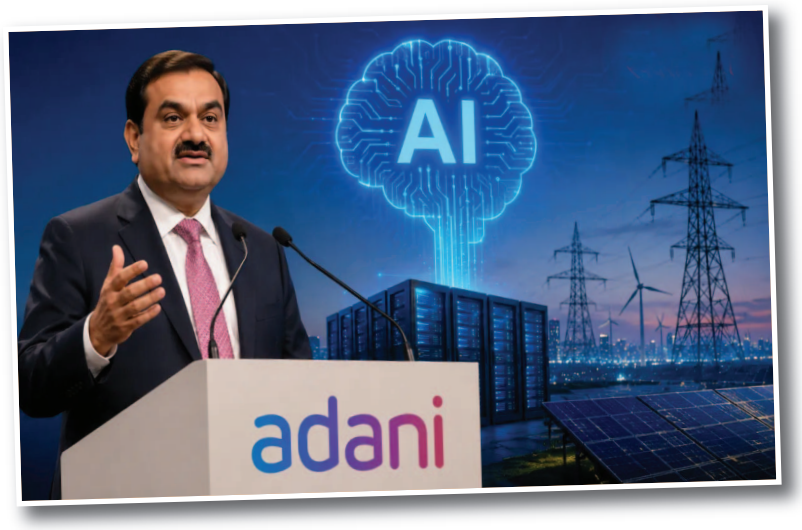

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि एआई मोबाइल डेटा विस्फोट जैसी क्रांति लाएगा और इससे ऊर्जा की खपत में तेज वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय राजधानी में 'सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026' को संबोधित करते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि एक दशक पहले, कुछ ही लोगों ने भारत में मोबाइल डेटा के विस्फोट के पैमाने की कल्पना की थी, लेकिन जैसे ही स्मार्टफोन किफायती हुए, नेटवर्क का विस्तार हुआ, डेटा की कीमतें गिरीं और खपत में जबरदस्त उछाल आया।

अदाणी समूह के चेयरमैन ने कहा,एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) भी इसी तरह की वृद्धि लाएगा, लेकिन यह वृद्धि कहीं अधिक ऊर्जा खपत करने वाली होगी। डेटा सेंटर की क्षमता, जिसके 2030 तक 5 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, 2047 तक लगभग 75 गीगावाट तक बढ़ सकती है, इसीलिए भारत को अभी से तैयारी करनी होगी।

उन्होंने आगे कहा कि भारत आम परिवारों, फैलते शहरों, सक्रिय कारखानों, इलेक्ट्रिक वाहनों और विस्तार की प्रतीक्षा कर रहे लाखों छोटे व्यवसायों के लिए विकास कर रहा है।

अदाणी समूह के प्रमुख ने कहा, भारत में एक बड़ा फायदा यह है कि हम जो कुछ भी बनाएंगे, उसकी मांग पहले से ही मौजूद होगी। हमारे सामने चुनौती है ऐसी क्षमता का निर्माण करना जो मांग के साथ तालमेल बिठा सके।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ने एनर्जी सेक्टर में असाधारण प्रगति की है और मार्च 2026 में स्थापित ऊर्जा क्षमता 500 गीगावाट से अधिक हो गई है। बीते 10 वर्षों में स्थापित क्षमता में 53 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है।

गौतम अदाणी ने आगे कहा कि भारत अपनी इस क्षमता को 4 गुना तक बढ़ाने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दशक यानी 2047 तक यह 2,000 गीगावाट तक पहुंच जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि हमारी जीडीपी की वृद्धि दिशा देश की ग्रोथ स्टोरी को स्पष्ट रूप से दिखाती है। देश को दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में 67 वर्ष का समय लगा, लेकिन अगले दो ट्रिलियन डॉलर अगले 12 वर्षों में ही जोड़े गए।

गौतम अदाणी के मुताबिक,भारत तेजी से विकास कर रहा है। हर सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डा, कारखाना, ऊर्जा संसाधन और डेटा सेंटर विकास के अगले स्तर को बढ़ा रहा है। इस रफ्तार से, भारत हर दशक में अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एक नई यूरोपीय अर्थव्यवस्था के बराबर वृद्धि करेगा।

आपकी जेब पर पड़ा महंगाई का बोझ, अप्रैल में इतना महंगा हुआ खाने पीने का सामान

सरकारी आंकड़ों को देखें तो अप्रैल के महीने में देश में रिटेल महंगाई 3 .48 फीसदी पर आ गई है। जबकि मार्च के महीने में ये आंकड़ा 3 .40 फीसदी पर थी। वैसे अक्टूबर 2025 के महीने में देश मं रिटेल महंगाई 0 .25 फीसदी पर आ गई थी। उसके बाद से इसमें लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। नवंबर के महीने में ये आंकड़ा 0 .71 फीसदी पर आया।

खाने पीने के सामान की कीमतों में इजाफा होने से अप्रैल के महीने में रिटेल महंगाई में मामूली ही सही लेकिन बढ़ोतरी देखने को मिली है. अप्रैल के महीने में रिटेल महंगाई में 0.08 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है. खास बात तो ये है कि अक्टूबर के बाद से महंगाई में लगातार इजाफा देखने को मिल चुका है. महंगाई में ये लगातार 6वें महीने बढ़ोतरी देखने को मिली है. वैसे महंगाई के आंकड़े अभी भी आरबीआई के टॉलरेंस लेवल 4 फीसदी से नीचे बने हुए हैं. जानकारों की मानें अगर मिडिल ईस्ट का संकट लंबे समय तक बना रहता है तो आने वाले दिनों में महंगाई में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश में रिटेल महंगाई किस दर से बढ़ती हुई दिखाई दे रही है.

अप्रैल में महंगाई में कितना हुआ इजाफा

सरकारी आंकड़ों को देखें तो अप्रैल के महीने में देश में रिटेल महंगाई 3.48 फीसदी पर आ गई है. जबकि मार्च के महीने में ये आंकड़ा 3.40 फीसदी पर थी. वैसे अक्टूबर 2025 के महीने में देश मं रिटेल महंगाई 0.25 फीसदी पर आ गई थी. उसके बाद से इसमें लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है. नवंबर के महीने में ये आंकड़ा 0.71 फीसदी पर आया. दिसंबर के महीने में 1.33 फीसदी पर देखने को मिला. जनवरी के महीने में रिटेल महंगाई 2.74 फीसदी पर देखी गई. जबकि फरवरी में रिटेल महंगाई का आंकड़ा 3.21 फीसदी पर आ गया. इसका मतलब है कि लगातार तीन महीनों से रिटेल महंगाई का आंकड़ा 3 फीसदी से ज्यादा देखने को मिला है.

फूड इंफ्लेशन में तेजी

रिटेल इंफ्लेशन में इजाफे का प्रमुख कारण फूड इंफ्लेशन को माना जा रहा है. जिसमें अच्छी तेजी देखने को मिली है. अप्रैल, 2025 की तुलना में अप्रैल, 2026 के महीने के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (CFPI) पर आधारित साल-दर-साल महंगाई दर 4.20 फीसदी (अनंतिम) है. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए संबंधित महंगाई दरें क्रमशः 4.26 फीसदी और 4.10 फीसदी हैं. इसका मतलब है कि शहरों के मुकाबले में गांवों में फूड इंफ्लेशन ज्यादा बढ़ा है. खास बात तो ये है कि मार्च के महीने में खाद्य महंगाई 3.87 फीसदी पर देखने को मिली थी.

फोन पर आया शादी का कार्ड और 10 मिनट में बैंक अकाउंट हो गया जीरो

आज के डिजिटल युग में साइबर ठग लोगों को लूटने के लिए हर दिन नए और खतरनाक तरीके अपना रहे हैं। ताजा मामला आईटी सिटी बेंगलुरु का है, जहां एक व्यवसायी को अपने मोबाइल फोन पर आया एक 'शादी का कार्ड' खोलना इतना भारी पड़ गया कि चंद मिनटों में ही उसके बैंक खाते से 5 लाख रुपये उड़ गए। यह ठगी इतने शातिर तरीके से की गई कि बिजनेसमैन को भनक तक नहीं लगी और जालसाजों ने उसका पूरा अकाउंट खाली कर दिया। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित व्यवसायी के व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से शादी का निमंत्रण पत्र आया था। इस मैसेज में बड़ी ही चालाकी से लिखा गया था कि 'हम आपको अपनी शादी में आमंत्रित कर रहे हैं, कृपया समारोह की पूरी जानकारी के लिए अटैचमेंट डाउनलोड करें। आपकी उपस्थिति और आशीर्वाद हमें बेहद खुशी देंगे।यह कार्ड असल में कोई सामान्य तस्वीर या पीडीएफ नहीं था, बल्कि एक खतरनाक फाइल के रूप में भेजा गया था। निमंत्रण को सच मानकर जैसे ही व्यवसायी ने उस फाइल को अपने फोन में डाउनलोड किया, वैसे ही वह साइबर ठगों के बुने हुए जाल में फंस गया।

महज 10 मिनट में कई ट्रांजेक्शन, फोन का मिला पूरा एक्सेस

व्यवसायी द्वारा फाइल डाउनलोड करते ही उसके फोन का पूरा कंट्रोल और गोपनीय जानकारी हैकर्स के पास पहुंच गई। इसके बाद 16 अप्रैल 2026 की सुबह 4:45 बजे से 4:54 बजे के बीच यानी मात्र 10 मिनट के अंदर, शातिर ठगों ने कई यूपीआई (क्कड्ढ) ट्रांजैक्शन किए और खाते से कुल 5,00,440 रुपये निकाल लिए। जब पीड़ित को इस भारी ठगी का अहसास हुआ, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। जांच एजेंसियों को आशंका है कि यह किसी बड़े साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का काम हो सकता है, जिसने शहर के कई अन्य मोबाइल यूजर्स को भी अपना शिकार बनाने के लिए ऐसे ही फर्जी मैसेज भेजे होंगे।

पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच में जुटी टीमें

इस दिल दहला देने वाली ठगी के बाद पीड़ित ने तुरंत पुलिस की शरण ली और अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा 66(ष्ट) और 66(ष्ठ), तथा नई भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4) के तहत केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क को खंगालने और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि अनजान नंबरों से आए किसी भी लिंक या संदिग्ध 'रक्क्यÓ फाइल को अपने फोन में बिल्कुल भी डाउनलोड न करें।

गणित के क्षेत्र में भारतीय सभ्यता का योगदान, जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में किया प्रदर्शनी का उद्घाटन

वॉशिंगटन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने गणित के क्षेत्र में भारतीय सभ्यता के योगदान पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि दुनिया भर में वैज्ञानिक प्रगति को लंबे समय से 'संकीर्ण नजरिए' से देखा गया और उन ऐतिहासिक विकृतियों को 'सुधारने' की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का शीर्षक शून्य से अनंत तक – गणित में भारतीय सभ्यता का योगदान है। इसे भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) के सहयोग से आयोजित किया गया है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अपनी तरह की इस पहली ऐतिहासिक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा, 'जब हम संयुक्त राष्ट्र में एकत्रित होते हैं, तो अक्सर साझा विरासत की बात करते हैं। फिर भी यदि हम आधुनिक इतिहास के सफर को देखें, तो दुनिया भर में वैज्ञानिक प्रगति को वक्त और भूगोल की सीमाओं में बांधकर एक संकीर्ण नजरिए से देखा गया है। उद्घाटन समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान, प्रिंसटन विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर और फील्ड्स मेडल विजेता मंजुल भार्गव के साथ- साथ कई देशों के राजदूत और राजनयिक उपस्थित थे।

विदेश मंत्री ने कहा, 'जैसे-जैसे भू-राजनीतिक बदलावों से राजनीतिक और आर्थिक पुनर्संतुलन हो रहा है, यह अनिवार्य रूप से सांस्कृतिक पुनर्संतुलन का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है। यह विविध विमर्शों के लिए जगह बनाकर किया जाएगा, जिसमें हमारे अतीत की अधिक व्यापक समझ शामिल है। जयशंकर दो से 10 मई तक जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की आधिकारिक यात्रा पर थे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन

सोमवार को अपनी न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान उन्होंने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जो 'समहिता' (दक्षिण एशियाई पांडुलिपि इतिहास और पाठ्य संग्रह) परियोजना का हिस्सा है। यह विशेष संवादात्मक प्रदर्शनी उन प्राचीन गणितीय अवधारणाओं पर प्रकाश डालती है, जिनकी जड़ें भारत में हैं और जो आगे चलकर हजारों वर्षों में पूरी दुनिया में फैलीं, इनमें शून्य, दशमलव स्थान मान प्रणाली (डेसिमल प्लेस वैल्यू सिस्टम), बीजगणित और एल्गोरिदम से लेकर ग्रहों के मॉडल, खगोलीय गणना, क्रमचय-संचय (कॉम्बिनेटरिक्स), द्विआधारी गणना (बाइनरी एन्यूमरेशन) और रेखागणित का 'बौधायन-पायथागोरस प्रमेय' शामिल हैं।

विद्वानों के योगदान को दर्शाया

प्रदर्शनी में आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और भास्कर से लेकर केरल के खगोल विज्ञान और गणित संप्रदाय तक के विद्वानों के योगदान को दर्शाया गया है। जयशंकर ने कहा, हम जो यहां एकत्र हुए हैं, वे केवल दीवार पर लिखे अंकों को नहीं देख रहे हैं। हम उस सभ्यता का अवलोकन कर रहे हैं, जिसका जन्म भारत की बौद्धिक मिट्टी में हुआ था। यह एक ऐसी विरासत है, जिसका संबंध जितना अतीत से है, उतना ही भविष्य से भी है।

भारतीय सभ्यता के गणितीय खोज

विदेश मंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी दर्शकों को 'सहस्राब्दियों की एक ऐसी यात्रा पर ले जाएगी, जहां वे देख सकेंगे कि भारतीय सभ्यता की गणितीय खोजों ने किस तरह दुनिया भर का सफर तय किया और कैसे वे आज भी हमारे आधुनिक जीवन को आकार दे रही हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप इस प्रदर्शनी को देखेंगे, तो आप पाएंगे कि वह 'कोड', जो हमारे वर्तमान तकनीकी युग का आधार है, सदियों पहले भारत में ही संकल्पित किया गया था। यह प्रदर्शनी संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 15 मई तक आयोजित की गई है। इसका उद्देश्य यह प्रदर्शित करना है कि भारतीय उपमहाद्वीप में जन्मे गणितीय विचार आज भी प्रासंगिक हैं और वैश्विक डिजिटल ढांचे व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का आधार हैं।

ट्रंप के दौरे से पहले चीनी मूल की मेयर का इस्तीफा, बीजिंग के लिए काम करने का गुनाह कबूला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा से पहले अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक बड़ी डेवलपमेंट हुई है। कैलिफोर्निया की मेयर ने यह स्वीकार किया है कि उन्होंने गुपचुप तरीके से चीनी सरकार के लिए काम किया था, ये स्वीकार करने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। इस कबूलनामा के बाद अमेरिका में स्थानीय राजनीति में विदेशी दखल को लेकर नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। 58 साल की एलीन वांग दक्षिणी कैलिफोर्निया के आर्केडिया की मेयर थीं और अमेरिकी न्याय विभाग (DOJ) की जांच के बाद उन्होंने चीन के लिए एक अवैध विदेशी एजेंट के तौर पर काम करने का अपना गुनाह कबूल कर लिया। अब उन्हें 10 साल तक की जेल हो सकती है। जानकारी के मुताबिक एलीन वांग ने बीजिंग के इशारे पर एक US न्यूज लेटर नाम वेबसाइट चलाती थी। कहा जाता है वह इसमें बीजिंग के इशारे पर चीन के समर्थन में न्यूज़, आर्टिकल या दूसरे किस्म की जानकारियां छापती थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अहम बातचीत के लिए बीजिंग का दौरा करेंगे। इस बातचीत से लेकर अलग-अलग तरह की उम्मीदें लगाई जा रही हैं। जिनमें सांकेतिक मेल-जोल से लेकर ईरान युद्ध, व्यापारिक तनाव, ताइवान और 'रेयर अर्थ' (दुर्लभ खनिज) की आपूर्ति जैसे अहम मुद्दों पर तीखी बातचीत शामिल है। ट्रंप बुधवार को चीन दौरे पर जाएंगे, इस दौरे में उनके साथ 5 बड़ें उद्योगपति भी जा रहे हैं। DOJ ने कहा कि वांग ने 65 साल के याओनिंग माइक सन के साथ मिलकर US News Center नाम की एक चीनी भाषा की वेबसाइट के ज़रिए चीन-समर्थक संदेशों को बढ़ावा दिया।

ऑपरेशन सिंदूर में चीन-पाक गठजोड़ पर भारत का हमला, बीजिंग पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन-पाकिस्तान गठजोड़ पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने यह प्रतिक्रिया उन रिपोर्टों के जवाब में आई, जिनमें मई 2025 के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को चीन से कथित तौर पर मिले समर्थन की बात कही गई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जो देश खुद को 'जिम्मेदार शक्ति' मानते हैं, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि ऐसे कदमों का उनकी विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा पर क्या असर पड़ता है। बता दें विदेश मंत्रालय ने ये टिप्पणी एक चीनी अधिकारी के उस बयान पर की है, जिसमें उसने भारत के साथ सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तान को जमीनी स्तर पर तकनीकी सहायता देने की बात स्वीकार की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं और दोहराया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सोच-समझकर और लक्षित तरीके से दिया गया जवाब था। उन्होंने कहा, "हमने ये रिपोर्टें देखी हैं, जो पहले से पता बातों की पुष्टि करती हैं। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों का एक सटीक, लक्षित और सोच-समझकर दिया गया जवाब था, जिसका मकसद पाकिस्तान से संचालित होने वाले और उसके इशारे पर काम करने वाले, राज्य-प्रायोजित आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना था।" साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते चीनी मीडिया पर आए एक इंटरव्यू में एविएशन इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना (AVIC) के चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग ने कथित तौर पर संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को समर्थन देने में चीन की भूमिका के बारे में बताया। झांग ने कहा कि वह उस टीम का हिस्सा थे जिसे लड़ाई के दौरान तकनीकी सहायता देने के लिए तैनात किया गया था। उनके हवाले से कहा गया, "सपोर्ट बेस पर हम लगातार लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने और हवाई हमले के सायरन बजने की आवाजें सुनते थे। मई के महीने में, सुबह देर होते-होते तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच जाता था। यह हमारे लिए शारीरिक और मानसिक, दोनों ही तरह से बेहद चुनौतीपूर्ण था।" ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि चीन ने भारतीय सैन्य साइट से जुड़ा संवेदनशील डेटा साझा करके पाकिस्तान की मदद की। जुलाई 2025 में, लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने पाकिस्तान को चीनी सेना के लिए एक लाइव लैब बताया था। अमेरिकी रक्षा विभाग की हालिया रिपोर्ट में भी दावा किया गया है कि चीन ने सूचना युद्ध, साइबर ऑपरेशंस, खुफिया सहायता और कूटनीतिक समर्थन के जरिए पाकिस्तान का साथ दिया था।

ट्रंप चीन के लिए रवाना, बोले- अमेरिका को ईरान जंग में जिनपिंग की मदद की जरूरत नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को चीन के लिए रवाना हो गए, जहां वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रवानगी से पहले उन्होंने कहा कि वे चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से ईरान युद्ध पर चर्चा करेंगे। मध्यस्थता में चीन की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमें ईरान के मामले में किसी मदद की जरूरत है। हम किसी न किसी तरह से जीतेंगे। ट्रंप ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि अमेरिका इस स्थिति को शांतिपूर्वक या किसी अन्य तरीके से अपने दम पर जीत लेगा। 2017 के बाद यह ट्रंप की पहली चीन यात्रा है।

बता दें कि मंगलवार को बीजिंग जाने वाली अपनी उड़ान के लिए व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) से रवाना होने से ठीक पहले ट्रंप ने ईरान

को लेकर जिनपिंग के साथ मतभेदों और इस संघर्ष के वैश्विक तेल बाजारों पर पड़ रहे प्रभाव को कम करके आंकने की कोशिश की।

ट्रंप ने जिनपिंग के साथ संघर्ष पर चर्चा करने की अपनी योजना के बारे में कहा कि हम इस पर लंबी बातचीत करेंगे। सच कहूं तो मुझे लगता है कि उनका रवैया अपेक्षाकृत अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास चर्चा करने के लिए बहुत से मुद्दे हैं। सच कहूं तो मैं यह नहीं कहूंगा कि ईरान उनमें से एक है, क्योंकि ईरान पर हमारा काफी हद तक नियंत्रण है।

ट्रंप ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ हमारी बहुत अच्छी मुलाकात होगी। मैंने राष्ट्रपति शी से बात की है। हम दोनों इस मुलाकात के लिए उत्सुक हैं। यह शानदार होगा। ईरान के साथ शांति प्रस्ताव के लिए अपनी 'रेड लाइन' के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम इस बारे में उड़ान के दौरान और अगले कुछ समय तक सोचते रहेंगे। लेकिन हमने उनकी सैन्य शक्ति को बुरी तरह हराया है। नाकाबंदी बहुत प्रभावी है और किसी न किसी तरह से, इसका समाधान बहुत अच्छा होगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उनके पास परमाणु हथियार नहीं होंगे। वे यह जानते हैं। उन्होंने इस पर सहमति जताई है। हम कोई खेल नहीं खेलते। उनके पास परमाणु हथियार नहीं होंगे।

रूस-यूक्रेन युद्ध जल्द खत्म होगा

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के करीब है। उन्होंने एक समझौते की उम्मीद जताई। उनका ये बयान रूसी राष्ट्रपति पुतिन की शनिवार को की गई टिप्पणियों से मिलते-जुलते हैं।

मेलानिया नहीं जा रही हैं चीन

व्हाइट हाउस के मुताबिक, प्रथम महिला मेलानिया राष्ट्रपति ट्रंप के साथ चीन की यात्रा पर नहीं जा रही हैं। बुधवार को चीन के लिए रवाना हुए ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उनके परिवार के सदस्य एरिक- लारा ट्रंप मौजूद हैं, लेकिन मेलानिया इस दौरे में शामिल नहीं हैं। इस प्रतिनिधिमंडल में टेक दिग्गज एलन मस्क और एप्पल के सीईओ टिम कुक भी शामिल हैं।

नीट यूजी रद्द होने के बाद एनटीए को बदलने की मांग, फ़ैमा ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (फ़ैमा) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि एनटीए द्वारा नीट यूजी 2026 के आयोजन में "व्यवस्थित विफलता" हुई है। याचिका में मांग की गई है कि एनटीए को बदला जाए या उसका पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। साथ ही, NEET-UG 2026 की नई परीक्षा न्यायिक निगरानी में कराई जाए। याचिका में यह मांग की गई है कि वह केंद्र सरकार को एनईटी परीक्षा आयोजित करने के लिए एनटीए को एक 'अधिक मजबूत, तकनीकी रूप से उन्नत और स्वायत्त निकाय' से बदलने का निर्देश दे।

यह याचिका एनटीए द्वारा 3 मई को आयोजित एनईटी-यूजी 2026 परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द करने और केंद्र द्वारा जांच सीबीआई को सौंपने के कुछ दिनों बाद दायर की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर जो 'अनुमानित प्रश्नपत्र' घूम रहे थे, उनमें असली परीक्षा के 100 से ज्यादा प्रश्नों से मेल पाया गया था।

याचिका में यह भी मांग की गई है कि एक रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज की अगुवाई में एक उच्च स्तरीय निगरानी समिति बनाई जाए। इस समिति में एक साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एक फोरेंसिक विशेषज्ञ भी शामिल हों, ताकि जब तक नया परीक्षा निकाय न बन जाए, तब तक NEET-UG 2026 की दोबारा परीक्षा की निगरानी सही तरीके से हो सके।

याचिका में पुन: परीक्षा और CBT मोड की मांग

याचिका में यह मांग की गई है कि जब तक प्रस्तावित नया परीक्षा निकाय या कोर्ट द्वारा बनाई गई अंतरिम निगरानी समिति नई परीक्षा प्रक्रिया की सुरक्षा की जांच और पुष्टि नहीं कर देती, तब तक NEET-UG 2026 की दोबारा परीक्षा एक उच्च स्तरीय न्यायिक समिति की निगरानी में कराई जाए। इसके अलावा, इसमें यह भी कहा गया है कि प्रश्न पत्रों को डिजिटल तरीके से सुरक्षित किया जाए और पेपर लीक जैसी समस्याओं को रोकने के लिए परीक्षा को कंप्यूटर आधारित (CBT) मोड में बदला जाए।

CBI को 4 हफ्तों में स्टेटस रिपोर्ट देने का निर्देश मांग

फ़ैमा ने मांग की है कि CBI को निर्देश दिया जाए कि वह NEET-UG 2026 पेपर लीक की जांच पर 4 हफ्तों के अंदर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दे। इस रिपोर्ट में पूरे नेटवर्क की जानकारी, गिरफ्तारियां, आरोपियों के नाम और जांच की प्रगति शामिल होनी चाहिए। इसके अलावा, याचिका में यह भी कहा गया है कि जैसे ही NEET-UG 2026 के केंद्रवार नतीजे उपलब्ध हों, उन्हें सार्वजनिक किया जाए ताकि किसी भी गड़बड़ी या अनियमितता का पारदर्शी तरीके से पता लगाया जा सके।

नीट पेपर लीक मामले पर फिर गरजे केजरीवाल, कहा- जब जेन जेड जागेगा तब खत्म होंगे पेपर लीक माफिया

नई दिल्ली, एजेंसी। अरविंद केजरीवाल ने आज दूसरे दिन फिर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने देश के जेन जेड, छात्रों और युवाओं को केंद्र में रखते हुए नीट पेपर लीक मुद्दे पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हर साल लाखों छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन पेपर लीक माफिया उनके सपनों को कुचल देता है। इसके साथ ही उन्होंने रूस से तेल और गैस खरीद को लेकर भी केंद्र सरकार की नीति पर सवाल उठाए और कहा कि देशहित में फैसले लेने की जरूरत है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नीट पेपर लीक के बाद हर बार जांच सीबीआई को सौंप दी जाती है, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ महीनों बाद आरोपी जमानत पर बाहर आ जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद वही लोग अगले साल फिर पेपर लीक कराने में जुट जाते हैं। उन्होंने कहा कि 2017, 2021, 2024 और अब 2026 तक लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आईं, लेकिन किसी बड़े आरोपी को सख्त सजा नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि 2014 के बाद देश में 93 पेपर लीक हुए, जिनसे करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई में सक्षम अधिकारी हैं, लेकिन एजेंसी उन्हीं लोगों को रिपोर्ट करती है जिन पर पेपर लीक कराने के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में एजेंसी से निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद कम दिखाई देती है। उन्होंने दावा किया कि 2014 के बाद देश में 93 पेपर लीक हुए हैं और इनमें करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात राज्यों में सबसे अधिक पेपर लीक हुए, जहां भाजपा या एनडीए की सरकारें हैं। केजरीवाल ने कहा कि केवल सिस्टम फेल हो गया कहना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि सिस्टम कोई काल्पनिक चीज नहीं होता, उसके पीछे लोग होते हैं और उन्हीं लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि भारत का जेन जेड शिक्षा व्यवस्था को बचाने के लिए लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण आंदोलन कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह देश युवाओं का है और उन्हें अपने भविष्य की लड़ाई खुद लड़नी होगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बड़े नेताओं के बच्चे विदेशों में पढ़ते हैं, इसलिए उन्हें देश की शिक्षा व्यवस्था की चिंता नहीं होती। उन्होंने कहा कि आम छात्रों और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों का भविष्य इसी व्यवस्था पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि हम और आप इसी देश की मिट्टी के हैं, हमें इसी देश में रहना है और इस देश को बचाना भी हमें ही पड़ेगा। प्रेस वार्ता में केजरीवाल ने रूस से तेल और गैस खरीद को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि रूस से भारत के लिए गैस लेकर आ रहे जहाज को भारत सरकार ने वापस कर दिया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार जनता से पेट्रोल-डीजल बचाने, पब्लिक ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल करने और वर्क फ्रॉम होम अपनाने की अपील कर रही है, वहीं दूसरी तरफ रूस से तेल और गैस खरीदने से पीछे हट रही है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अमेरिकी दबाव में रूस से तेल नहीं खरीद रही। उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े देश को अपने हितों के अनुसार फैसले लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश अपने फायदे के हिसाब से फैसले लेते हैं और भारत को भी जहां से सस्ता तेल और गैस मिले, वहां से खरीद करनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से रूस से तेल और गैस खरीद दोबारा शुरू करने की मांग की।

थलपति विजय की जन नायकन पर प्रोड्यूसर का बड़ा अपडेट, बताया कब रिलीज होगी फिल्म

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय को लंबे समय से एक मास हीरो और जनता के नेता के रूप में देखा जाता रहा है। अब उन्होंने राजनीति में भी एंट्री कर ली है, जिससे उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ गई है। विजय ने अपने फिल्मी करियर में हमेशा ऐसे विषयों को चुना, जो सीधे तौर पर आम लोगों से जुड़े रहे हैं। उनकी फिल्मों में सामाजिक न्याय, महिलाओं के अधिकार, युवाओं की समस्याएं और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से दिखाया गया है। यही वजह है कि उनकी फिल्मों को सिर्फ मनोरंजन के तौर पर नहीं, बल्कि समाज से जुड़ी कहानियों के रूप में भी देखा जाता है।

हाल ही में उनकी अपकमिंग और चर्चित फिल्म जन नायकन को लेकर जबरदस्त चर्चा बनी हुई है। माना जा रहा है कि यह विजय के करियर की आखिरी फिल्म हो सकती है, इसलिए फैंस के बीच इसे लेकर अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म से जुड़ी हर अपडेट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और दर्शकों में फिल्म को लेकर भारी क्रेज बना हुआ है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर थलपति विजय ने शपथ ग्रहण कर लिया है। शपथ ग्रहण समारोह के कुछ ही समय बाद, उनकी आने वाली फिल्म जन नायकन के बारे में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। यह जानकारी किसी और ने नहीं, बल्कि फिल्म के प्रोड्यूसर वेंकट के। नारायण ने दी है।

चेन्नई में मीडिया से बातचीत के दौरान प्रोड्यूसर वेंकट के। नारायण ने जन नायकन की रिलीज के बारे में अपडेट दी है। प्रोड्यूसर से सवाल किया गया कि फिल्म कब रिलीज होगी, क्या फिल्म पर सेंसर बोर्ड के विवाद के अलावा कोई राजनीतिक दबाव भी था?

इस पर नारायण ने कहा, हमें उम्मीद है कि फिल्म जल्द रिलीज होगी। हम बस देश के कानून का पालन करना है। अगर फिल्म को सिनेमाघरों तक पहुंचना है तो उसे सेंसर सर्टिफिकेशन से गुजरना पड़ेगा।

प्रोड्यूसर का कहना है कि विजय की पॉपुलैरिटी किसी एक फिल्म की वजह से नहीं, बल्कि सालों से लोगों के दिलों से जुड़े रहने के कारण है। उन्होंने कहा कि विजय की हर फिल्म ने उन्हें जनता के और करीब पहुंचाया है। यही कारण है कि जन नायकन को लेकर लोगों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं। मलेशिया में आयोजित इस कार्यक्रम में रिकॉर्ड तोड़ संख्या में फैंस पहुंचे। आयोजकों के मुताबिक, यह कार्यक्रम देश के सबसे बड़े ऑडियो लॉन्च इवेंट्स में से एक बन गया और इसने नेशनल रिकॉर्ड भी कायम किया। कार्यक्रम में विजय की एक झलक पाने के लिए हजारों फैंस मौजूद रहे। फैंस का जोश और उत्साह देखने लायक था।

हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि जन नायकन कोई राजनीतिक फिल्म नहीं है। उनके मुताबिक यह एक पूरी तरह कमर्शियल एंटरटेनर है, जिसमें एक्शन, इमोशन, ड्रामा और मनोरंजन के सभी जरूरी तत्व मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यह विजय की उन फिल्मों की तरह ही है, जिन्हें दर्शकों ने पहले खूब पसंद किया और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता दिलाई।

नारायण का मानना है कि विजय की खासियत यही रही है कि उन्होंने हर वर्ग के दर्शकों को अपनी फिल्मों से जोड़े रखा। उनकी फिल्मों में मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी देखने को मिलता है। यही कारण है कि वह सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़े हुए स्टार बन चुके हैं।

टॉक्सिक रिश्तों का महिमामंडन नहीं, बल्कि उनका दर्द दिखाएगी अगली स्टोरी: अविका गौर

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म अगली स्टोरी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि टॉक्सिक और जुनून के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं।

अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। अगली स्टोरी दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।

रिया जिया प्रोडक्शंस के बैनर तले सीएच सुभाषिनी और कोंडा लक्ष्मण द्वारा निर्मित अगली स्टोरी एक गहरी प्रेम कहानी है, जिसका लेखन और निर्देशन प्रणव स्वरूप ने किया है। इस फिल्म में रवि तेजा महादास्यम, शिवाजी राजा, और प्रज्ञा नयन जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। अगली स्टोरी 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म चांद मेरा दिल का ट्रेलर जारी, प्यार और तड़प के बीच उलझी अनन्या–लक्ष्य की कहानी

चांद मेरा दिल के मेकर्स ने रोमांटिक ड्रामा का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा ट्रेलर रिलीज किया। इस ट्रेलर में दर्शकों को एक ऐसी इमोशनल लव स्टोरी की झलक देखने को मिली, जो जुनून, हार्ट ब्रेक और सेंसिटिव इमोशन से भरा है। अनन्या पांडे और लक्ष्य मुख्य भूमिकाओं में नजर आए है। यह फिल्म आज के जमाने के एक ऐसे रोमांस को दिखाती है जो लोगों से रिलेट कर सकती है। मेकर्स ने चांद मेरा दिल का ट्रेलर लॉन्च किया और इसे इंस्टाग्राम पर अपलोड किया। मेकर्स ने ट्रेलर को साझा करते हुए इसे एक दिल छू लेने वाला कैप्शन दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, एक लव स्टोरी जो न तो परफेक्ट है, न ही प्लान की हुई, बस थोड़ी सी रियल है। चांद मेरा दिल - ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। 22 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में।

चांद मेरा दिल का ट्रेलर 2 मिनट 54 सेकंड का है। इसकी शुरुआत अनन्या पांडे और लक्ष्य के किरदार से होती है, जिसमें लक्ष्य का किरदार अनन्या के किरदारे से किसी चीज के लिए माफी मांगता है और अपनी गलती पर पछताते हुए नजर आता है। फिल्म में लक्ष्य ने आरव और अनन्या ने चांदनी का किरदार निभाया है।

इसके बाद, ट्रेलर में दोनों के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। दर्शकों को उनके कॉलेज के दिनों में ले जाया जाता है, जहां उनकी लव स्टोरी पहली बार परवान चढ़ती है। उनकी केमिस्ट्री और जवानी का रोमांस ही इस ट्रेलर का केंद्र है।

हालांकि, जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, कहानी में ट्विस्ट आता है। दोनों के बीच एक ऐसी बात होती है जो उनकी लव स्टोरी को परफेक्ट होने से रोकती है और यह साफ तौर पर आरव की गलतियों की वजह से है। एक ऐसी गलती जिसके लिए उसकी अपनी बहन भी उसे पूरी तरह माफ़ नहीं कर पाती। लेकिन वह गलती है क्या? ट्रेलर इस टकराव के इर्द-गिर्द बड़ी चालाकी से घूमता है, बिना कहानी के आगे के राज खोले।

यह कपल के बीच एक बड़े झगड़े की ओर इशारा करता है, जिससे चांदनी का दिल टूट जाता है, जबकि आरव उसे वापस पाने की पूरी कोशिश करता हुआ दिखाई देता है। पूरे ट्रेलर में किरदारों के बीच का तनाव साफ दिखाई देता है। ट्रेलर का अंत एक खूबसूरत लाइन के साथ होती है, जिसमें आरव, चांदनी से कहता है, तू सच में चांद है यार, नूर भी, गुरूर भी और दूर भी।

धर्मा प्रोडक्शंस के सहयोग से बनी इस फिल्म को करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा और मारिज्के डिसूजा ने प्रोड्यूस किया है। इसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले नेटफ्लिक्स फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर का निर्देशन किया था। इस फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिलहाल चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com